



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 308]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 26, 2016/आश्विन 4, 1938

No. 308]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 26, 2016/ASVINA 4, 1938

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 2016

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "4, 4 डाई अमीनो स्टाइलबेन 2, 2 डाईसल्फोनिक एसिड" (डीएसडी) के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्य आवधिक समीक्षा (एमटीआर)।

सं.15/18/2015-डीजीएडी: समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. मामले की पृष्ठभूमि

- यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी भी कहा गया है) द्वारा दिनांक 22 नवंबर, 2013 की अधिसूचना सं. 14/21/2012-डीजीएडी द्वारा चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 4,4 डाई अमीनो स्टाइलबेन 2, 2 डाई सल्फोनिक एसिड "डीएसडी" (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित निश्चयात्मक पाटनरोधी जांच शुरू की गई थी। केंद्र सरकार द्वारा दिनांक 23 जनवरी, 2014 की अधिसूचना सं. 09/2014-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।
- संबद्ध वस्तुओं के आयातकों/उपयोक्ताओं के प्रतिनिधि निकायों, डाईस्टप्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, मुंबई ने एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क के अनुसार संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्कों की एक समीक्षा शुरू करने के लिए अनुरोध किया गया है। उन्होंने यह दावा किया है कि मूल जांच की अवधि के दौरान मौजूद परिस्थितियां बदल चुकी हैं, जिसमें ऐसी स्थिति आ गई है कि जहां पर मौजूद पाटनरोधी शुल्क अब आगे अपेक्षित नहीं है।

4. जबकि आवेदक ने यह उल्लेख किया है कि संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतों में पर्याप्त वृद्धि हुई है, घरेलू विक्री कीमतों में भी पर्याप्त रूप से वृद्धि हुई है और प्रमुख कच्ची सामग्री की लागत में भी कमी आई है। आवेदक ने यह भी उल्लेख किया है कि आयात की कीमतों में काफी वृद्धि के कारण और आयातों के पहुँच मूल्य में वृद्धि होने के कारण क्षति मार्जिन में कमी आई है और इसके परिणामस्वरूप शुल्कों के वर्तमान स्तर की समीक्षा करने की जरूरत उत्पन्न हो गई है।
5. इसके अलावा, मूल जांच में, हेबेई हुआ केम डार्ड केमिकल कं. लि., चीन जन. गण. (उत्पादक/निर्यातक) को व्यक्तिगत शुल्क प्रदान किया गया था। तदोपरान्त, त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि., चीन जन. गण. द्वारा एक आवेदन दाखिल किया गया है, जिसमें यह सूचित किया गया है कि हेबेई हुआ केम डार्ड केमिकल कं. लि., का नाम बदलकर हुआ गि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. रखा गया है और उसके बाद त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. रखा गया तथा पाटनरोधी शुल्क अधिसूचना में हेबेई हुआ केम डार्ड केमिकल कं. लि., चीन जन. गण. (उत्पादक/निर्यातक) से नाम बदलकर त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि., चीन जन. गण. (उत्पादक/निर्यातक) रखने का अनुरोध किया है। नाम बदलने के लिए किए गए अनुरोध की जांच करने के लिए इस शर्त के अधधीन वर्तमान मध्य आवधिक समीक्षा जांच भी शुरू की गई थी। त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि., चीन जन. गण. प्राधिकारी के साथ सहयोग करेंगे और सभी अपेक्षित सूचना/दस्तावेजों के साथ प्रश्नावली उत्तर दाखिल करेंगे।
6. और यतः अधिनियम की धारा 9 क के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के तहत यह अपेक्षा की गई है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी जहां गई आवश्यक हो, अपने आप प्रयास करके अथवा किसी ऐसे हितबद्ध पक्षकार द्वारा अनुरोध किए जाने पर जो इस प्रकार की समीक्षा की जरूरत के लिए पर्याप्त सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करेंगे और निश्चयात्मक पाटनरोधी लगाए जाने से लेकर अब तक एक तर्कसंगत समय अवधि बीत चुकी है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी केंद्र सरकार को इसे वापस लेने के लिए सिफारिश करेंगे यदि वे इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि यदि कथित पाटनरोधी शुल्क को हटा लिया जाता है और बदलाव किया जाता है तो घरेलू उद्योग को कोई क्षति होने की संभावना नहीं है और अब इसको लगाए रखने की जरूरत नहीं है।
7. आवेदक द्वारा इस प्रकार की जरूरत को प्रमाणित करते हुए प्रदान की गई सूचना को ध्यान में रखते हुए और बदली हुई परिस्थितियों में इसकी समीक्षा करने की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 01 अक्तूबर, 2015 की अधिसूचना सं. 15/18/2015-डीजीएडी के तहत दिनांक 22 नवंबर, 2013 की अधिसूचना सं. 14/1/2012-डीजीएडी, जो भारत के राजपत्र, असाधारण भाग-I, खंड-I में प्रकाशित की गई थी, के तहत जारी अंतिम परिणामों और केंद्र सरकार द्वारा दिनांक 23 जनवरी, 2014 की अधिसूचना संख्या 09/2014-सीमा शुल्क (एडीडी) के तहत निश्चयात्मक शुल्क लगाए गए थे, की वर्तमान मध्य आवधिक समीक्षा (एमटीआर) जांच शुरू की है ताकि पाटनरोधी शुल्कों को लगाए जाने की निरंतरता की समीक्षा की जा सके और त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि., चीन जन. गण. द्वारा नाम बदलने के लिए किए गए दावे की जांच की जा सके।

ख. प्रक्रिया

8. जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई:
 - i. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावासों, ज्ञात आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उत्पादकों को, उपलब्ध सूचना के अनुसार दिनांक 01 अक्तूबर, 2015 की जांच प्रारंभ करने संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजीं। ज्ञात निर्यातकों से यह अनुरोध किया गया था कि वे प्रश्नावली का उत्तर दाखिल करें और निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराएं। निर्यातकों से भेजी गई पत्र व प्रश्नावली की प्रतियां भी संबद्ध देश के दूतावास को ज्ञात निर्यातकों/ उत्पादकों की एक सूची के साथ भेजी गई और साथ ही यह अनुरोध किया गया कि निर्धारित समय अवधि के भीतर उत्तर दाखिल करने के लिए संबद्ध देश से निर्यातकों/ आयातकों को परामर्श दें।
 - ii. आवेदक की ओर से दाखिल अगोपनीय भाग की प्रति ज्ञात निर्यातकों, घरेलू उत्पादकों और संबद्ध देश के दूतावास को पाटनरोधी नियावली के नियम 6 (3) के अनुसार उपलब्ध कराई गई।
 - iii. प्राधिकारी ने संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को भारत में चीन के दूतावास को प्रति देते हुए वर्तमान एमटीआर शुरू करने के सार्वजनिक नोटिस की प्रति भेजी और उन्हें नियमों के अनुसार पत्र में उल्लिखित तारीख से 40 दिनों की अवधि के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया :
- क. शांक्सी जियांगसू केमिकल कं. लि.
- ख. हेबेई हेंगशुई डोंगगांग केमिकल कं. लि.
- ग. हेबेई हुआ केम गुप
- घ. हेंगशुई जिंगहेंग केमिकल प्रोडक्ट्स कं. लि.
- ङ. बोटोस टियांचे केमिकल कं. लि.
- च. यांशी डोंगीयुआन केमिकल कं. लि.

- छ. त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि.
- iv. जांच प्रारंभ करने की प्रतिक्रिया में हेबेई हुआ केम डाई केमिकल कं. लि., चीन जन. गण. और त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि., चीन जन. गण. द्वारा अलग से निर्यातक प्रश्नावली उत्तर (ईक्यूआर) दाखिल किए गए हैं, जिनमें यह दावा किया गया है कि हेबेई हुआ केम (डोंगगुआंग) कं. लि., चीन जन. गण. का नाम बदलकर हुआ गि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. किया गया है और उसके बाद त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. किया गया। बाद में यह भी दावा किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. द्वारा वास्तव में उत्पादित की गई संबद्ध वस्तुओं का बड़ा हिस्सा हेबेई हुआ केम डाई केमिकल कं. लि. के नाम से निर्यात किया गया था ताकि मूल जांच में हेबेई हुआ केम डाई केमिकल कं. लि. पर लगाए गए कम पाटनरोधी शुल्क का लाभ उठाया जा सके।
- v. भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं को भी प्रश्नावलियां भेजी गई थीं, जिसमें पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगी गई थी:
- क. डायकाफिल केमिकल्स
- ख. ख्याती केमिकल्स प्रा. लि.
- ग. प्रणव केमिकल्स
- घ. प्रागना डाई कैम
- ङ. जयश्री केमिकल्स
- च. जेवी इंडस्ट्रीज
- छ. रघुनाथ डाई कैम
- ज. पैरामीटर मिनरल्स एंड केमिकल्स लि.
- झ. एश्वर्या केमिकल्स
- ञ. बीएसएस इंडिया लि.
- ट. हिंद प्रकाश इंटरनेशनल लि.
- ठ. इटाकेम इंटरनेशनल
- ड. अनिल ऑर्गेनिक्स
- ढ. क्लेरियंट केमिकल्स (इंडिया) लि.
- ण. पैरामाउंट मिनरल्स
- त. केमेक्स लि.
- थ. संजय सेल्स कारपोरेशन
- द. मॉर्डन केमिकल्स
- ध. द डाई स्टफ्स मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया
- vi. उपरोक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित आयातकों/उपयोगकर्ताओं ने आयातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं और अपने विचारों से अवगत कराया है:

एसके डाइस्टफ्स एंड ऑर्गेनिक कैमिकल्स प्रा. लि.
बीएसएस इंडिया लि.
ख्याती केमिकल्स प्रा. लि.
मेघमानी डाईस एंड इंटरमीडिएट्स लि.
पैरामाउंट मिनरल्स एंड केमिकल्स लि.

- vii. मैसर्स दीपक नाइट्राइट लि. (डीएनएल), जो मूल जांच में संबद्ध वस्तुओं का घरेलू उद्योग है, को भी प्रश्नावलियां भेजी गई थीं।
- viii. निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों, जिन्होंने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और न ही इस जांच में संगत सूचना उपलब्ध कराई है, उन्हें सहयोगी हितबद्ध पक्षकार के रूप में माना गया है।
- ix. जांच की अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के व्यौरे जुटाने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) को अनुरोध किया गया था। अतः प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा की गणना और अपेक्षित विश्लेषण करने के लिए वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- x. सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और निर्माण व विक्रय करने की अनुकूलतम लागत की गणना की गई थी ताकि यह पता लगाया जा सके कि पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क यदि लगाया जाता है तो क्या घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए ऐसा करना पर्याप्त होगा। प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के तहत विनिर्दिष्ट सिद्धांतों के अनुसार एनआईपी का निर्धारण किया गया है।
- xi. सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और चीन जन. गण. के दूतावास को एक बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) प्रश्नावली भी प्रेषित की गई थी, जिसमें निर्धारित समय अवधि के भीतर प्राधिकारी को संगत सूचना उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था। अतः चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के निर्यातकों/आयातकों को पैरा 8 के उप-पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ताकि प्राधिकारी इस पर विचार कर सके कि क्या सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रदान किया जा सकता है। तथापि, चीन के किसी भी उत्पादकों/निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है।
- xii. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 तक की है। तथापि, क्षति जांच की अवधि में 2011-12, 2012-13 और जांच की अवधि शामिल है। प्राधिकारी ने संभावित विश्लेषण करने के लिए जांच की अवधि के उपरांत की अवधि के लिए हितबद्ध पक्षकारों से संगत सूचना/आंकड़ों की भी मांग की है।
- xiii. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 14 अप्रैल, 2016 को हुई सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रकट करने के लिए अवसर प्रदान किया। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए उन्हें मौखिक रूप से व्यक्त विचारों को लिखित में दाखिल करने और उसके बाद प्रत्युत्तर अनुरोध प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था।
- xiv. जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर जहां कहीं भी इस जांच परिणाम में संगत पाया गया, प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
- xv. घरेलू उद्योग और सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना और आंकड़ों के संबंध में आवश्यकता के अनुसार सत्यापन किया गया था।
- xvi. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने आवश्यकता के अनुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना के गोपनीय समझा गया है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना के लिए पर्याप्त गोपनीयता प्रदान करने का निदेश दिया गया था।
- xvii. उपरोक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार, प्राधिकारी द्वारा दिनांक 15 सितंबर, 2016 को जारी किए गए प्रकटन विवरण के तहत ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को आवश्यक तथ्य प्रकट किए गए थे और उन पर प्राप्त टिप्पणियों को प्राधिकारी द्वारा इस जांच परिणाम में आवश्यकता के अनुसार शामिल किया गया है।
- xviii. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने इसे प्रदान करने से मना किया है अथवा वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना प्रदान नहीं की है अथवा जांच को पर्याप्त रूप से प्रभावित किया है, तो प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अंतिम जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- xix. *** से तात्पर्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना और नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा विचार की गई सूचना से है।
- xx. इस जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा जांच की अवधि के दौरान प्रचलित औसत विनिमय दर 1 यूएस डॉलर = 61.69 रुपए स्वीकार की गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

9. मूल जांच में और वर्तमान समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) "4,4 डाई अमीनो स्टाइलबेन 2, 2 डाई सल्फोनिक एसिड" (डीएसडीए) है। इसे 2, 2'-(1,2- इथाइलिनइडाइल) बिस (5- अमीनो बेंजाइन सल्फोनिक एसिड), 4, 4'- डाई अमीनो स्टाइलबेन-2, 2'- डाई सल्फोनिक एसिड, 2, 2'- ईथेन-1, 2-डाईलबिस (5- अमीनो बेन्जीन सल्फोनिक एसिड), एम्सोनिक एसिड तथा डीएसडी एसिड है। डीएसडीए एक हल्के पीले रंग का पाउडर/क्रीम है जो ऑप्टिकल ब्राइटनिंग एजेंट, फ्लुओरोसेंट ब्राइटनिंग एजेंट आदि जैसे डाई स्टाफ के संश्लेषण में उपयोग में लाया जाता है। संबद्ध वस्तुओं को 29215990 शीर्षक के तहत वर्गीकृत किया गया है। संबद्ध वस्तुएं 29214290, 29222190, 29222990, 29309099 इत्यादि जैसे अन्य टैरिफ शीर्षों के तहत भी आयात की जा रही है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के दायरे के संबंध में किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।
10. याचिकाकर्ता सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार, निर्यातक और घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में कोई भी टिप्पणी अथवा अनुरोध नहीं किया है। आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि उनकी विचाराधीन उत्पादक और समान वस्तु के संबंध में कोई भी समस्या नहीं है। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद का दायरा वही रहता है, जो मूल जांच में है।

घ. घरेलू उद्योग का दायरा और आधार

11. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में यह प्रावधान है कि :

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" शब्द का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

12. मूल जांच में घरेलू उद्योग की ओर से दीपक नाइट्रेट द्वारा आवेदन दाखिल किया गया था। पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 (3) के साथ पठित नियम 2 (ख) के संदर्भ में प्राधिकारी ने मूल जांच में दीपक नाइट्रेट लि. को घरेलू उद्योग माना था। वर्तमान एमटीआर जांच में किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा घरेलू उद्योग के आधार और दायरे के संबंध में कोई भी अनुरोध नहीं किया गया है। इस स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी ने वर्तमान एमटीआर जांच में उपरोक्त नियमावली के नियम 2 (ख) और नियम 5 (3) के तात्पर्य से दीपक नाइट्रेट लि. को घरेलू उद्योग के रूप में निर्धारित किया है।

ङ. गोपनीय

13. याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि दीपक नाइट्रेट लि. (डीएनएल) द्वारा प्रदान किए गए प्रोफार्मा-IV के अगोपनीय पाठ से उनके ऑप्टिकल ब्राइटनिंग एजेंट (ओबीए) उत्पादन के लिए डीएसडीए की कैप्टिव खपत की मात्रा प्रकट नहीं हुई है। यहां तक कि इसके विश्लेषण की प्रवृत्ति प्रदान नहीं की गई है।
14. घरेलू उद्योग ने गोपनीयता के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:
- दीपक नाइट्रेट लि. ने उत्तर/ अनुरोध के अगोपनीय पाठ में डीएसडीए की कैप्टिव खपत की मात्रा की प्रवृत्ति प्रकट नहीं की है।
 - निर्यातक ने सूचना के प्रमुख अंश के गोपनीय होने का दावा किया है और यहां तक कि उनके द्वारा दाखिल की गई सूचना का एक अगोपनीय सार भी प्रदान नहीं किया है। उनके प्रश्नावली उत्तर का अगोपनीय पाठ पूरी तरह पर्याप्त नहीं है। यहां तक कि उन्होंने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना को अपने उत्तर के अगोपनीय पाठ में भी प्रकट नहीं किया है। इसके अलावा, सूचना की गोपनीयता का दावा किया गया है ताकि प्रतिवादी सार्थक टिप्पणी दे सके।
 - उत्पादक/निर्यातक द्वारा दाखिल किया गया उत्तर कानून के तहत विनिर्दिष्ट मानकों को बिल्कुल विपरीत है। त्सकर ने गोपनीयता के रूप में संगत सूचना प्रदान करने की जिम्मेदारी से हटने का प्रयास किया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

15. सूचना की गोपनीयता के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में यह प्रावधान है :

गोपनीय सूचना – (1) नियम 6 के उप नियम (2), (3) एवं (7), नियम 12 के उप नियम (2), (3)(2), नियम 15 के उप नियम (4) तथा नियम 17 के उप नियम (4) में किसी भी बात के होते हुए भी नियम 5 के उप नियम (1) के तहत प्राप्त आवेदनों की प्रतियां या जांच की प्रक्रिया में किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रदत्त कोई अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसकी गोपनीयता के संबंध में संतुष्ट होने पर ऐसी सूचना को गोपनीय माना जाएगा और ऐसी सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना ऐसी सूचना किसी अन्य पक्षकार के समक्ष प्रकट नहीं की जाएगी।

- (2) निर्विष्ट प्राधिकारी द्वारा हितवद्ध पक्षकारों से प्रस्तुत की गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किए जाने की अपेक्षा की जाएगी और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार के विचार से ऐसी सूचना का सारांश तैयार करना संभव न हो तो उसका कारण बताते हुए एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।
- (3) उप नियम (2) की किसी बात के होते हुए भी यदि प्राधिकारी को यह विश्वास है कि गोपनीयता का अनुरोध उचित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने या उसे सामान्यीकृत अथवा सारांश रूप में प्रकट करने का प्राधिकार देने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की उपेक्षा कर सकते हैं।
16. गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में हितवद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान की गई सूचना की जांच की गई थी, संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा गया है और अन्य हितवद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दाखिल की गई सूचना को पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराने का निदेश दिया गया था। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितवद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध किसी भी सूचना को गोपनीय नहीं माना जाएगा।

च. विविध अनुरोध

17. याचिकाकर्ता और अन्य हितवद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

- संबद्ध वस्तुओं के संबंध में आर्थिक संकेतकों में मूल जांच की जांच अवधि के दौरान महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। महत्वपूर्ण मापदंड जैसे आयातों की पहुँच कीमत, गैर-क्षति कीमत और क्षति मार्जिन में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं, जिसमें एमटीआर जांच और शुल्क की वापसी को स्पष्ट किया गया है।
- पाटनरोधी उपाय करने का प्रयोजन कीमतों में एकाधिकार बनाने के लिए घरेलू उद्योगों को न केवल सुविधा प्रदान करना है बल्कि क्षतिकारी पाटन के व्यापार प्रतिकूल प्रभावों को दूर करने के लिए है। दीपक नाइट्रेट लि. (डीएनएल) ने न केवल अपनी कीमतों में वृद्धि करने के लिए पाटनरोधी शुल्कों का उपयोग किया है बल्कि उनका उपयोग डाउनस्ट्रीम ओबीए क्षेत्र में कीमतों को संचालित करने के लिए किया है।
- दीपक नाइट्रेट लि. (डीएनएल) ऑप्टिकल ब्राइटनिंग एजेंट (ओबीए) बाजार का प्रबंधन करने के लिए पाटनरोधी शुल्कों का उपयोग कर रहा है और आयातों से डीएनएल द्वारा उत्पादित डीएएसडीए पर कोई दबाव नहीं है। ड्राई स्टाफ निर्माता अब ऑप्टिकल ब्राइटनिंग एजेंट (ओबीए) बाजार में डीएनएल के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जो कि डीएएसडीए का डाउनस्ट्रीम उत्पाद है।
- संबंधित उत्पाद के आयातों के संबंध में निरंतर उपायों को लागू करने से संबंधित उत्पाद के भारतीय प्रयोक्ताओं पर हानिकारक प्रभाव पड़ेंगे।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

18. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:

- आवेदक को पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के साथ प्राधिकारी के समक्ष आना चाहिए कि परिस्थितियों में महत्वपूर्ण बदलाव आए हैं और ये बदलाव अंतिम प्रकृति के हैं।
- यद्यपि साक्ष्य की गुणवत्ता और मात्रा की जांच में प्रगति के साथ ही सुधार हो सकता है, लेकिन याचिका में किसी भी मामले में "कोई पाटन नहीं", "कोई पाटन की संभावना नहीं", "कोई क्षति नहीं", "क्षति की कोई संभावना नहीं" के संबंध में सूचना सहित पाटनरोधी शुल्क की वापसी के लिए संगत सभी कारकों के संबंध में विधिवत प्रमाणित संगत दावे शामिल होने चाहिए।
- यह आरोप लगाया गया है कि चूंकि घरेलू उद्योग का डाउनस्ट्रीम उद्योग और कच्चे माल के क्षेत्र में उपस्थिति के रूप में अच्छा आधार है, इसलिए उनका बेहतर आधार है और उपभोक्ता के लिए कीमतों को संचालित करने की स्थिति में है। तथापि, यदि कीमत कटौती पाटनरोधी शुल्क के साथ अथवा शुल्क के बिना निर्धारित की जाती है तो यह देखना होगा कि पाटनरोधी शुल्क के साथ कीमत कटौती पाटनरोधी शुल्क लगाने की पूरी अवधि के दौरान नकारात्मक है। इसके अलावा, यदि कीमत कटौती ऐसी अवधि के पहले और बाद में निर्धारित की जाती है, जहां पर घरेलू उद्योग डाउनस्ट्रीम उत्पाद भी तैयार कर रहा है, साथ ही यह भी देखना होगा कि कीमत में अंतर, जो घरेलू उद्योग के डाउनस्ट्रीम उत्पादों के वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने से पहले मौजूद था और कीमत में अंतर, जो अब घरेलू उद्योग के डाउनस्ट्रीम उत्पादों का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने के बाद मौजूद है, में अधिक अंतर नहीं है। वास्तव में, कीमत में कटौती पहले अधिक थी। यदि घरेलू उद्योग सलाह पाटनरोधी शुल्क के अनुसार कीमतों को संचालित करता अथवा यदि घरेलू उद्योग ने डाउनस्ट्रीम उत्पादों में उपभोक्ताओं के लिए नुकसान पहुँचाने के बारे में सोचा होता तो ऐसा नहीं होता। वास्तव में, यदि मासिक कीमतों में गिरावट की जांच की जाए तो यह देखने में आएगा कि पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत में गिरावट पर्याप्त रूप से नकारात्मक बन गई है जब आयात की कीमतें असामान्य तौर पर अधिक थीं।

- iv. पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है लेकिन भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पर्द्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं होगी। ओबीए और डीएएसडीए दो अलग-अलग उत्पाद हैं। घरेलू उद्योग ने ऐसे ढंग से ओबीए अथवा डीएएसडीए के कारोबार का प्रबंधन नहीं किया है, जिससे कि डाउनस्ट्रीम उत्पादों को नुकसान पहुँच सकता हो। इस मामले की सच्चाई भी यह प्रमाणित करती है कि घरेलू उद्योग को डीएएसडीए में कोई अधिक लाभ प्राप्त नहीं हुआ है। वर्तमान अवधि में डीएएसडीए की आयात कीमत मूल जांच के समय प्रचलित आयात कीमत से कम है।
- v. निर्यातक ने सुनवाई में पूरी तरह से क्षति और कीमत मानदंडों पर अनुरोध किया है और नाम में बदलाव पर कोई जानकारी प्रदान नहीं की है, जो कि उनके आवेदन करने का एकमात्र कारण था।
- vi. कीमतों में महत्वपूर्ण बदलावों को देखते हुए, यह महत्वपूर्ण है कि पाटन मार्जिन, कीमत कटौती और क्षति मार्जिन की जांच माह दर माह विश्लेषण करके की जाती है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

19. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 में यह कहा गया है:

(1) अधिनियम की धारा 9 क के उपबंध के तहत लगाया गया कोई पाटनरोधी शुल्क क्षति पहुँचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए उस अवधि तक और उस सीमा तक लागू रहेगा।

(1क) निर्दिष्ट प्राधिकारी जहां अपेक्षित हो, अपनी खुद की पहल पर या ऐसे किसी हितबद्ध पक्षकार के अनुरोध पर जो ऐसी समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करता है और निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद उचित समयावधि बीत जाती है, तो पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की जरूरत की समीक्षा करेंगे और ऐसी समीक्षा के उपरांत निर्दिष्ट प्राधिकारी उस स्थिति में उसकी समाप्ति हेतु केन्द्र सरकार को सिफारिश करेंगे जहां वह इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि यदि पाटनरोधी शुल्क समाप्त या परिवर्तित कर दिया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है और इसलिए अब इसकी जरूरत नहीं है।

(1 ख) उप नियम (1) या (1क) में किसी बात के होते हुए भी अधिनियम के अंतर्गत लगाया गया कोई निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क उसके लगाए जाने की तारीख से 5 वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगा बशर्ते निर्दिष्ट प्राधिकारी उक्त अवधि से पूर्व अपनी खुद की पहल पर या घरेलू उद्योग की ओर से किए गए विधिवत पुष्टिकृत अनुरोध के आधार पर उक्त अवधि समाप्त होने से पूर्व उचित अवधि के भीतर इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि उक्त शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है।

(2) उप-नियम (1) के अंतर्गत शुरू की गई कोई समीक्षा ऐसी समीक्षा की शुरुआत की तारीख से 12 माह से अनधिक अवधि के भीतर संपन्न की जाएगी।

(3) नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 तथा 20 के उपबंध समीक्षा के मामले में आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

20. पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.2 में यह प्रावधान है कि प्राधिकारी जहां आवश्यक हो, स्वयं की पहल पर अथवा किसी हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध पर, जो समीक्षा की आवश्यकता को सिद्ध करते हुए सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करता है, शुल्क के अधिरोपण को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे, बशर्ते निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद पर्याप्त अवधि व्यतीत हो चुकी हो। हितबद्ध पक्षकारों का प्राधिकारी से यह जांच करने हेतु अनुरोध करने का अधिकार होगा कि क्या पाटन के प्रभाव को समाप्त करने के लिए शुल्क के अधिरोपण को जारी रखा जाना आवश्यक है, क्या क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है यदि शुल्क हटा लिया जाता है अथवा उसमें बदलाव किया जाता है अथवा दोनों कार्य किए जाते हैं। यदि इस पैराग्राफ के तहत अंतिम समीक्षा के परिणामस्वरूप प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क अब आवश्यक नहीं है, तो इसे तुरन्त समाप्त कर दिया जाएगा।

21. यद्यपि याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि जांच की अवधि में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार अंतिम प्रकृति का है और प्राधिकारी को जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन के आधार पर पाटनरोधी शुल्क को रखने या न रखने के लिए निर्णय लेना होगा, इसलिए घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि मध्य आवधिक समीक्षा में वर्तमान निष्पादन ही यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को वापस लिया जाए और प्राधिकारियों को पाटनरोधी शुल्क को वापस लेने पर संभावित स्थिति पर विचार करने की आवश्यकता है।

22. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मामले की जांच की और यह नोट किया कि पाटनरोधी नियमावली का नियम 23 प्राधिकारी को इस बात के लिए बाध्य करता है कि वह किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा, जो निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद से एक तर्कसंगत समय अवधि समाप्त हो जाने के बाद ऐसी समीक्षा करने की जरूरत को प्रमाणित करते हुए

सकारात्मक सूचना प्रस्तुत करके अनुरोध किए जाने पर, अन्य के साथ-साथ पाटनरोधी शुल्क को लगाए रहना जारी रखने की जरूरत की समीक्षा करे और ऐसी समीक्षा पर प्राधिकारी केंद्र सरकार को, यदि वह इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना नहीं है अथवा कथित पाटनरोधी शुल्क हटाने अथवा उसमें बदलाव करने पर क्षति नहीं होगी और इसीलिए अब इसकी आगे जरूरत नहीं है, तो इसे वापस लेने की सिफारिश कर सकते हैं।

23. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 (1क) के तहत प्राधिकारी को यह अधिदेश प्राप्त हैं कि वह यदि कथित पाटनरोधी शुल्क को हटा लिया जाता है अथवा उसमें बदलाव किया जाता है तो क्षति के जारी रहने अथवा क्षति होने की संभावना की जांच कर सकते हैं और वे यह देखे कि क्या कथित बदली हुई परिस्थितियाँ अंतिम प्रकृति की हैं। मध्य आवधिक समीक्षा जांच का उद्देश्य ऐसे निष्कर्ष पर पहुँचना है कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति, पाटनरोधी शुल्क को हटाए जाने की अवस्था में क्षति जारी रहने अथवा उत्पन्न होने की संभावना तो नहीं है। इसलिए केवल जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का निष्पादन यह निष्कर्ष निकालने के लिए अपर्याप्त है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को वापस लिया जा सकता है।
24. जहाँ तक इस तर्क का संबंध है कि डीएनएल का संबद्ध वस्तुओं की बिक्री पर एकाधिकार का व्यवहार ओबीए उत्पादकों को अप्रतिस्पर्द्धी बना रहा है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य और प्रयोजन अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं पर रोक लगाना है न कि किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा व्यापार के एकाधिकार को बढ़ावा देने के लिए है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली में यह जरूरी नहीं है कि घरेलू उद्योग पाटन के कारण उसे होने वाली क्षति को पूरा करने के लिए समर्थ होना चाहिए। इसके अलावा, ओबीए और डीएएसडीए दो अलग-अलग उत्पादन हैं और वर्तमान जांच केवल डीएएसडीए के संबंध में है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस दावे के समर्थन में किसी दस्तावेज/सूचना को प्रस्तुत नहीं किया गया है कि डीएनएल ने इस ढंग से ओबीए अथवा डीएएसडीए कारोबार का प्रबंधन किया है जिससे कि ओबीए उत्पादकों को नुकसान उठाना पड़ा है।
25. इस तर्क के संबंध में कि संबंधित उत्पाद के आयातों पर उपायों को निरंतर जारी रखने से उपभोक्ताओं पर हानिकारक प्रभाव पड़ेंगे, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्कों को लगाने का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है। पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू बाजार में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है लेकिन किसी भी तरह से संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों को सीमित नहीं करेगा और इसीलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा।

ख. पाटन मार्जिन का निर्धारण

बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

26. हेबेई हुआ केम ड्राई केमिकल कं. लि. द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :
 - i. हुआ गि होल्डिंग ग्रुप कं. लि., चीन जन. गण. (एतद्पश्चात् इसे "एचजी ग्रुप" के रूप में कहा गया है) हेबेई हुआ केम ड्राई केमिकल कं. लि. (एतद्पश्चात् इसे "हुआ केम" के रूप में कहा गया है), जो मूल जांच में प्रतिवादी उत्पादक/निर्यातक और व्यक्तिगत शुल्कधारक है या 100% नियंत्रक है।
 - ii. हुआ केम पीआरसी के कंपनी कानून के तहत स्थापित एक सीमित दायित्व वाली कंपनी थी। यह दिनांक 24 मार्च, 2015 को निरस्त कर दी गई है।
 - iii. दिनांक 07 मई, 2013 को एचजी ग्रुप ने एक नई कंपनी हुआ गि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. (एतद्पश्चात् इसे हुआ गि के रूप में कहा जाएगा) की स्थापना की थी जिसने बाद में अपना नाम बदलकर त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. (एतद्पश्चात् इसे "त्सकर" के रूप में कहा गया है) रख लिया, जिसका उद्देश्य हुआ कैम के स्थान पर काम करना था।
 - iv. दिनांक 10 अक्टूबर, 2013 को हुआ केम और हुआ गि ने परिसंपत्ति पुनर्गठन करार पर हस्ताक्षर किए और उसके अनुसार हुआ केम की उद्यम परिसंपत्ति मालसूची, स्थायी परिसंपत्तियाँ, सभी मशीनें, उपस्कर तथा लक्षित उद्यम में सुविधाएं, चल रहे निर्माण कार्य, पूर्व-भुगतान, अमूर्त परिसंपत्ति ऋण, उधारियाँ और श्रमिक सभी हुआ गि को हस्तांतरित कर दिए गए।
 - v. उसके बाद उत्पाद लाइनें पूरी तरह से हुआ गि को हस्तांतरित कर दी गईं और दिनांक 24 मार्च, 2015 को एचजी ग्रुप द्वारा हुआ केम को पूरी तरह निरस्त कर दिया गया।
 - vi. हुआ केम वास्तव में वर्तमान कंपनी त्सकर की पूर्ववर्ती कंपनी थी।

- vii. अप्रैल से नवंबर, 2014 तक, जिसके दौरान हुआ केम पूरी तरह निरस्त नहीं हुई थी, त्सकर द्वारा संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन और हुआ केम, जिसने मूल पाटनरोधी जांच में भाग लिया था, के नाम से निर्यात किया गया और अपेक्षाकृत कम पाटनरोधी शुल्क दर का लाभ उठाया।
- viii. कंपनी के सूचीबद्ध कार्यों और संगत पक्षकार के लेन-देन को देखते हुए नवंबर, 2014 से वस्तुएं त्सकर के नाम से निर्यातित की गई थीं।
- ix. हुआ केम ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन नहीं किया। हुआ केम और हुआ गि द्वारा परिसंपत्ति पुनर्गठन करार पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद इसकी कोई भी उत्पादन लाइन नहीं थी। अप्रैल से नवंबर, 2014 तक अपेक्षाकृत कम पाटनरोधी शुल्क दर पर लाभ उठाने के प्रयोजन से हुआ केम के नाम से निर्यातित संबद्ध उत्पादों के लिए ये वास्तव में त्सकर द्वारा उत्पादित की गई थी। अतः हुआ केम के साथ कोई कंपनी आपूर्ति इनपुट नहीं था।
27. त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. (एतदपश्चात् इसे त्सकर के रूप में कहा गया है) द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- त्सकर की स्थापना पहले 7 मई, 2013 को की गई थी और हुआ गि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. के नाम से पंजीकृत की गई थी।
 - दिनांक 13 अक्तूबर, 2014 को हुआ गि ने अपना वर्तमान नाम त्सकर के रूप में परिवर्तित किया। प्रारंभ में, हुआ केम की 100 प्रतिशत नियंत्रक हुआ गि होल्लिंग ग्रुप कं. लि. का स्टॉक एक्सचेंज में हुआ केम को सूचीबद्ध कराने का विचार था लेकिन इसके जटिल विकास को देखते हुए हुआ केम को अधिसूचित करने के लिए एचजी ग्रुप ने एक नई कंपनी हुआ गि (त्सकर की पूर्ववर्ती) की स्थापना करने का निर्णय लिया।
 - दिनांक 10 अक्तूबर, 2013 को हुआ केम और हुआ गि ने परिसंपत्ति पुनर्गठन करार पर हस्ताक्षर किए, जिसके अनुसार, हुआ केम के उद्यम, परिसंपत्ति मालसूची, स्थायी परिसंपत्तियां, सभी मशीनें, उपस्कर, लक्षित उद्यम में सुविधाएं, निर्माणाधीन कार्य, पूर्व भुगतान, अमूर्त परिसंपत्ति ऋण, उधारियां तथा श्रमिकों को पूरी तरह से हुआ गि को हस्तांतरित कर दिया गया। उसके बाद, उत्पादन लाइनें पूरी तरह से हुआ गि को हस्तांतरित कर दी गईं और दिनांक 24 मार्च, 2015 को हुआ केम को कांगजोऊ शहर के उद्योग एवं वाणिज्य प्रशासन में एचजी ग्रुप द्वारा पूरी तरह से निरस्त कर दिया गया।
 - त्सकर, त्सकर केमिकल (कांगझोऊ) कं. लि. के पूर्ण स्वामित्वाधीन है।
 - वर्तमान में त्सकर ही केवल संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में शामिल फैक्ट्री है।
 - अप्रैल से नवंबर, 2014 तक, जिसके दौरान हुआ केम पूरी तरह निरस्त नहीं हुई थी, त्सकर द्वारा संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन और हुआ केम, जिसने मूल पाटनरोधी जांच में भाग लिया था, के नाम से निर्यात किया गया और अपेक्षाकृत कम पाटनरोधी शुल्क दर का लाभ उठाया। कंपनी के सूचीबद्ध कार्यों और संगत पक्षकारों के लेन-देन को देखते हुए नवंबर, 2014 से वस्तुएं त्सकर के नाम से निर्यातित कर दी गई थी।
 - कंपनी हुआ गि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. की स्थापना 26 मई, 2013 को हेबेई हुआ केम ड्राई केमिकल कं. लि. की विरासत प्राप्त करने के लिए की गई थी। हेबेई हुआ केम ड्राई केमिकल कं. लि. ने मूल जांच में एक निर्यातक के रूप में भाग लिया था। हुआ गि ने अपना नाम बदलकर त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. रखा था। हुआ गि ने अपना नाम बदलकर त्सकर रखने तक भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया था।
 - यदि प्राधिकारी चीन जन. गण. से संबद्ध सामग्री पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखने पर विचार करते हैं तो त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि., चीन जन. गण. को अलग शुल्क की दर प्रदान की जा सकती है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध :

28. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध इस प्रकार हैं :

- चीन की संबंधित कंपनियों में नाम परिवर्तन का दावा केवल नाम परिवर्तन का नहीं है।
- यह स्वीकार किया गया है कि "कम पाटनरोधी शुल्क दर" का लाभ उठाने के लिए अप्रैल से नवंबर, 2014 तक हुआ केम के नाम से उत्पादों का निर्यात किया गया था, जबकि इनका उत्पादन वास्तव में त्सकर द्वारा किया गया था। यह स्पष्ट रूप से शुल्क की चोरी को दर्शाता है।
- त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. भी त्सकर केमिकल (कांगझोऊ) कं. लि. के स्वामित्व वाली डीएएसडीए के लिए एक उत्पादन आधार है। तथापि, इसकी निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में घोषणा नहीं की गई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

29. जहां तक हेबेई हुआ केम ड्राई केमिकल कं. लि. का नाम बदलकर हुआ गि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. करने और उसके बाद त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. किए जाने का संबंध है, प्राधिकारी ने संबंधित निर्यातकों की सूचना/आंकड़ों से पुष्टि की है और फ्रोस्ट एंड सुलिवान द्वारा तैयार की गई त्सकर केमिकल ग्रुप लि. की वैश्विक पेशकश की प्रति से निम्नलिखित नोट किया है:
- कंपनी विश्व में डीएसडीए की प्रमुख उत्पादक है। इसका वर्ष 2014 में उत्पादन मात्रा के द्वारा डीएसडीए में विश्व के बाजार अंश का 57.4% हिस्सा है।
 - यह विश्व में कई अन्य ड्राई और केमिकल इंटरमीडिएट की प्रमुख उत्पादक भी है।
 - कंपनी की प्रमुख स्वामित्व उत्पादन सुविधाएं डोंगगुआंग, हेबेई प्रांत में है और पट्टे पर डोंगाओं उत्पादन संयंत्र शानडोंग प्रांत में डोंगींग में स्थित है।
 - शानडोंग प्रांत में डोंगींग में एक अन्य उत्पादन इकाई भी स्थापित की जा रही है, जो मुख्यतः डीएसडी एसिड और अन्य ड्राई तथा पिगमेंट इंटरमीडिएट के लिए है।
 - कंपनी की वर्ष 2015 के अंत की स्थिति के अनुसार डीएसडीए की नियोजित उत्पादन क्षमता 55000 मी. टन है।
 - दिसंबर, 2014 के अंत में डीएसडी एसिड के लिए कंपनी की डिजाइन की गई उत्पादन क्षमता 35,000 मी. टन है और इस तारीख को वास्तविक उत्पादन की मात्रा 30,001 मी. टन है।
 - वर्ष 2014 के अंत तक ग्लोबल डीएसडी एसिड की मांग 52,300 मी. टन है।
 - त्सकर ग्रुप के प्रचालन इतिहास को हुआयू केमिकल प्लांट (जिसकी स्थापना मई, 1995 में एक पूर्ण स्वामित्व वाले राज्य उद्यम के रूप में हुई थी) द्वारा हुआयू ड्राई की दिसंबर, 1997 में स्थापना के साथ देखा जा सकता है। हुआयू ड्राई मूल रूप से डीएसडी एसिड के उत्पादन और बिक्री में लगी हुई है।
 - हुआयू ड्राई की प्रचालन परिसंपत्तियां सितंबर, 2013 में त्सकर डोंगगुआंग द्वारा अर्जित की गई थी।
 - त्सकर कांगझोऊ की स्थापना हुआयू फाइन केमिकल्स द्वारा सितंबर, 2005 में की गई थी।
 - दिनांक 7 मई, 2013 को त्सकर डोंगगुआंग की स्थापना चीन में आरएमबी 50 मिलियन की पंजीकृत पूंजी के साथ की गई थी, जिसका उद्देश्य हुआयू ड्राई की कतिपय प्रचालन परिसंपत्तियों को अर्जित करना और डीएसडी एसिड एवं अन्य हाई इंटरमीडिएट के उत्पादन व बिक्री में लगे रहना था।
 - 30 सितंबर, 2013 को त्सकर डोंगगुआंग और हुआयू ड्राई ने परिसंपत्ति पुनर्गठन करार किया जिसे दिनांक 10 अक्तूबर, 2013 को एक अनुपूरक करार करके पूरा किया गया, जिसके अनुसार त्सकर डोंगगुआंग ने उत्पादन करने के लिए (अन्य के साथ अचल संपत्तियों, कच्ची सामग्रियों, निर्माणाधीन कार्यों, चल रहे कार्यों, भू-उपयोग अधिकारों, व्यापार, देय राशि, और आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम सहित) प्रयुक्त हुआयू ड्राई के स्वामित्व वाली प्रचालन परिसंपत्तियों को अर्जित किया, जिसमें करीब आरएमबी 124.71 मिलियन की नकदी पर विचार शामिल था, जिसका 25 दिसंबर, 2013 को कानूनन और उपयुक्त तरीके से निपटान कर लिया गया।
 - दिनांक 20 मई, 2014 को त्सकर डोंगींग की पीआरसी में स्थापना की गई, जिसमें डीएसडी एसिड, पीएनटी, ओएनटी, एमएनई और एनएमपी के उत्पादन व बिक्री पर ध्यान देने के लिए 30 मिलियन आरएमबी की पूंजी शामिल थी।
30. ग्रुप कंपनी की ग्लोबल पेशकश के साक्ष्यों से नोट किए उपरोक्त ब्यौरे कि त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. हेबेई हुआ केम ड्राई केमिकल कं. लि. अथवा हुआ गि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. के लिए केवल नया नाम नहीं है। यह एक नई कंपनी है जिसकी स्थापना हुआ गि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. की परिसंपत्तियों को अधिग्रहित करने के लिए की गई थी।
31. उपरोक्त ब्यौरे कंपनी द्वारा उनकी उत्पादन की क्षमता (त्सकर की दावा की गई क्षमता 15,000 मी. टन) और संबद्ध वस्तुओं के लिए संयंत्रों की संख्या के बारे में किए गए दावों को स्पष्ट करते हैं। ग्रुप कंपनी की ग्लोबल पेशकश से नोट किए गए उपरोक्त ब्यौरे इस बात के साक्ष्य हैं कि इसका वास्तव में और भी काफी अधिक उत्पादन और उत्पादन क्षमता है, जिसका उसने दावा किया है, जो आगे यह दर्शाता है कि डोंगगुआंग संयंत्र के अलावा, उनके पास अन्य उत्पादन केंद्र की डीएसडीए के उत्पादन के लिए है। यह इस बात को भी सिद्ध करता है कि उनके दावों के प्रतिकूल त्सकर डोंगींग भी डीएसडीए के उत्पादन व बिक्री में शामिल है।
32. यह सत्यापन रिपोर्ट संबंधित निर्यातको प्रदान की गई थी। संबंधित निर्यातक ने निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं :
- चूंकि हुआ गि का त्सकर के रूप में बदलाव केवल एक नाम परिवर्तन था, त्सकर की स्थापना की तारीख अभी भी हुआ गि के साथ 7 मई, 2013 ही है।
 - वास्तव में हुआ गि कांगझोऊ और त्सकर कांगझोऊ के बीच यह एक इक्विटी हस्तांतरण का करार था।

- iii. कंपनी ने डीएसडीए के लिए 15000 मी. टन की उत्पादन क्षमता के बारे में सूचित नहीं किया था।
- iv. त्सकर ग्रुप के पास ही वर्तमान में एक डीएसडीए संयंत्र है। डोंगींग संयंत्र अभी स्थापित किया जाना है।
33. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सत्यापन के दौरान, कंपनी द्वारा यह बताया गया था कि त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. की स्थापना 7 मई, 2013 को की गई थी और दिनांक 13 अक्तूबर, 2014 को हुआ कि केमिकल डोंगगुआंग कं. लि. ने अपना नाम बदलकर त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. रखा। लेकिन दोनों ही बयान परस्पर विरोधी हैं यदि त्सकर कंपनी की स्थापना 7 मई, 2013 को हुई थी, तो हुआ कि कैसे अपना नाम बदलकर त्सकर रख सकती है, जो कि काफी पहले स्थापित हो चुकी थी। अब सत्यापन रिपोर्ट पर उनकी टिप्पणियों में निर्यातक ने अपने आधार को जारी रखते हुए कहा है कि हुआ कि का त्सकर के नाम से परिवर्तन केवल एक नाम परिवर्तन मात्र था और त्सकर की स्थापना की तारीख अभी भी 7 मई, 2013 ही मानी गई है। लेकिन वास्तव में त्सकर की ग्लोबल पेशकश रिपोर्ट के अनुसार, हुआ कि की प्रचालन संपत्तियां त्सकर डोंगगुआंग द्वारा सितंबर, 2013 में परिसंपत्ति पुनर्गठन करार के तहत अधिग्रहित की गई थी। इससे यह सिद्ध होता है कि हुआ कि की परिसंपत्तियां त्सकर द्वारा अधिग्रहित की गई थी, जिसमें एक संरचनात्मक परिवर्तन, स्वामित्व में परिवर्तन शामिल है न कि केवल एक नाम परिवर्तन। इसके अलावा, त्सकर द्वारा प्रस्तुत क्षमता दस्तावेज के अनुसार, इसके डोंगगुआंग संयंत्र की वर्तमान उत्पादन क्षमता 15000 मी. टन के रूप में दर्शाई गई है। यह उनके वर्तमान दावे की परस्पर विरोधी है कि डोंगगुआंग संयंत्र की वर्तमान उत्पादन क्षमता 35,000 मी. टन है। ऐसा शायद कंपनी द्वारा यह सिद्ध करने के लिए किया गया है कि उनके पास डोंगगुआंग संयंत्र के अलावा डीएसडीए के लिए कोई अन्य संयंत्र नहीं है। लेकिन उनकी अपनी ग्लोबल पेशकश के कागजात स्पष्ट रूप से यह उल्लेख करते हैं कि दिनांक 20 मई, 2014 को त्सकर डोंगींग की स्थापना पीआरसी में डीएसडी एसिड के उत्पादन व बिक्री पर बल देने के लिए 30 मिलियन आरएमबी की पंजीकृत पूंजी के साथ की गई थी। उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी हेबेई हुआ केम डार्ड केमिकल कं. लि. का नाम बदलकर हुआ कि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. और उसके बाद त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. करने का दावा स्वीकार नहीं करते।
34. संबंधित निर्यातकों द्वारा किए गए अनुरोधों और उनके रिकार्ड से प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान हेबेई हुआ केम डार्ड केमिकल कं. लि., जो मूल जांच में व्यक्तिगत शुल्क की धारक है, अपनी परिसंपत्तियों के साथ, जो कि हुआ कि केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. और बाद में त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. द्वारा अधिग्रहित की गई थी, के साथ एक कंपनी के रूप में नहीं रही। लेकिन जैसा कि त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. द्वारा उल्लेख किया गया है, अप्रैल से नवंबर, 2014 के दौरान त्सकर द्वारा वास्तव में उत्पादित संबद्ध उत्पाद कम पाटनरोधी शुल्क दर का लाभ उठाने के प्रयोजन के लिए हुआ केम के नाम से निर्यात किए गए। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी का यह कार्य शुल्क की चोरी के रूप में आता है।
35. उपरोक्त स्थिति को देखते हुए, प्राधिकारी जांच की अवधि के दौरान हेबेई हुआ केम डार्ड केमिकल कं. लि. के नाम से भारत को किए गए निर्यात सौदों को उनकी निर्यात कीमत की गणना और मार्जिन के निर्धारण के लिए त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. द्वारा किए गए पात्र निर्यातों के रूप में स्वीकार नहीं करते। इसकी बजाए उनकी निर्यात कीमत की गणना और त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि., चीन जन. गण. के संबंध में मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी केवल ऐसे सौदों को स्वीकार करते हैं, जो उस कंपनी द्वारा जांच की अवधि के दौरान उनके अपने नाम से किए गए हैं।

बाजार अर्थव्यवस्था दावों की जांच

36. प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (3) में यथा विनिर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार गैर- बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन करने के लिए एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां भेजी थीं। प्राधिकारी ने चीन सरकार से यह भी अनुरोध किया है कि अपने देश में उत्पादकों/निर्यातकों को परामर्श दिया जाए कि वे अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराएं।
37. पाटनरोधी नियमावली के यथा संशोधित पैरा 8, अनुबंध-1 के तहत एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन किया जा सकता है, यदि चीन जन. गण. से निर्यातकों द्वारा पैरा 8 में उप-पैरा (3) में यथा विनिर्दिष्ट आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराए जाएं और इसके विपरीत प्रमाण दें। चीन से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातक/उत्पादक को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रदान करने अपेक्षित हैं ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सके कि क्या:
- कीमतों, लागतों व कच्चे माल सहित इनपुट, प्रौद्योगिकी व श्रमिकों, आउटपुट, बिक्री व निवेश की लागत के संबंध में चीन जन. गण. में संबद्ध फर्मों का निर्णय बाजार संकेतकों, जिनमें आपूर्ति और मांग को दर्शाया गया है, के अनुसार किया गया है और इस संबंध में राज्य के पर्याप्त हस्तक्षेप के बिना किया गया है तथा क्या प्रमुख इनपुट की लागत बाजार के मूल्यों को पर्याप्त रूप से दर्शाती है ;
 - ऐसी फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्व की गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रमाली, विशेष रूप से परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के द्वारा भुगतान के संबंध में लिए गए महत्वपूर्ण परिवर्तनों के अध्यधीन है ;

- iii. ऐसी फर्मों दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अधधीन हैं, जो कानूनी निश्चितता और फर्मों के प्रचालन की स्थायित्वता की गारंटी है ; और
- iv. विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए गए हैं।
38. मूल जांच में हेबेई हुआ केम डाई केमिकल कं. लि. ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया था। वर्तमान एमटीआर जांच में भी चीन के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए और चीन की प्रतिवादी कंपनियों द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन न किए जाने के कारण प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार आगे कार्रवाई उपयुक्त मानते हैं।

ज. सामान्य मूल्य का निर्धारण

39. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के तहत यह प्रावधान है कि:

“गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य, मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।”

40. तदनुसार, पूर्व कार्यों के लिए चीन जन. गण. से सभी निर्यातकों के लिए विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य प्रमुख कच्ची सामग्रियों की अंतर्राष्ट्रीय कीमत और खपत मानकों, अंतरण लागत तथा घरेलू उद्योग के एसजीए व्ययों को ध्यान में रखते हुए तय किया गया है। 5% का एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन जोड़ने के बाद प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में किया है।

झ. निर्यात कीमत

त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि. चीन जन. गण.

41. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि., चीन जन. गण. ने *** यूएस डॉलर के सकल इनवॉयस मूल्य की *** मी. टन संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। इसमें कमीशन, समुद्री माल-भाड़ा, स्वदेशी माल-भाड़ा और कार्गो के हैंडलिंग प्रभारों, विदेशी बीमा, ऋण लागत, बैंक प्रभारों तथा वेट वापसी को समायोजित करने के बाद प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत *** यूएस डॉलर/मी. टन निर्धारित की है।

चीन जन. गण. से अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

42. प्राधिकारी ने चीन जन. गण. के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में निवल निर्यात कीमत का निर्धारण *** यूएस डॉलर/मी. टन के रूप में किया है, जो पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (8) के अनुसार चीन से सहयोगी निर्यातकों की कीमतों के आधार पर और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर है।

ज. पाटन मार्जिन

43. उपरोक्तानुसार निर्धारित किए गए सामान्य मूल्यों और निवल निर्यात कीमतों पर विचार करते हुए जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन का निर्धारण इस प्रकार किया गया है:

क्रम सं.	निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य यूएस डॉलर/ मी. टन	निर्यात कीमत - यूएस डॉलर/ मी. टन	पाटन मार्जिन - यूएस डॉलर/ मी. टन	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेंज - %
1	त्सकर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि.	***	***	***	***	20-30
2	अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	50-60

ट. क्षति निर्धारण और क्षति तथा कारणात्मक संबंधी की जांच के लिए कार्यप्रणाली**याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध****44. याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

- i. मूल जांच की जांच की अवधि और अंतिम जांच परिणाम प्रकाशित करने के बीच संबद्ध वस्तुओं से संबंधित आर्थिक संकेतकों में महत्वपूर्ण परिवर्तन हो चुके हैं।
- ii. घरेलू उत्पादकों के मुख्य आर्थिक मानदंडों में काफी सुधार देखने में आया है जो अंतिम प्रकृति के माने गए हैं। घरेलू उद्योग के निष्पादन में इन वर्षों के दौरान सुधार आया है और किसी भी प्रकार से इस सुधार में वापसी के कोई संकेत नहीं हैं।
- iii. एक प्रमुख कच्ची सामग्री पाट्टा नाइट्रो टोलीन (पीएनटी) की कीमत में मूल जांच की अवधि की तुलना में वर्तमान जांच की अवधि में काफी गिरावट आई है।
- iv. मूल जांच की जांच की अवधि की तुलना में इस एमटीआर की जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतों में काफी वृद्धि हुई है। आयात कीमतों में परिवर्तन बहुत ही महत्वपूर्ण और वस्तुगत है, जो मौजूदा शुल्कों की वापसी की जरूरत को प्रमाणित करते हैं।
- v. वर्तमान जांच की अवधि के दौरान भी घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतों में काफी वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग ने महत्वपूर्ण कच्ची सामग्री की कीमतों में कमी आने पर अपने एनएसआर में तर्कसंगत स्तर से अधिक की वृद्धि की है।
- vi. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत गैर-क्षतिकारी कीमत से काफी अधिक है। अतः घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने अथवा क्षति की पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना नहीं है।
- vii. इसके अलावा, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की पहुँच कीमत जांच की अवधि में और जांच की अवधि के उपरांत (अप्रैल, 2015 से सितंबर, 2015 तक) गैर-क्षति कीमत से अधिक है, जिसके परिणामस्वरूप नकारात्मक क्षति मार्जिन है। इस प्रकार, वर्तमान आयात घरेलू उद्योग को कोई हानि नहीं पहुँचा रहे हैं।
- viii. जब यह प्रमाणित हो गया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में क्षति मार्जिन नकारात्मक है तो यह पूरी तरह असंगत है कि पाटन मार्जिन सकारात्मक है या नकारात्मक है। यदि क्षति मार्जिन नकारात्मक है तो पाटनरोधी शुल्क जारी रहने का कोई स्पष्टीकरण नहीं है।
- ix. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच ओबीए के उत्पादन के लिए डीएसडीए के कैप्टिव हस्तांतरणों को निकालने के बाद की जाए।
- x. डीएसडीए की कीमतें ऐतिहासिक निचले स्तर पर चली जाने के बारे में डीएनएल के दावे के विपरीत, वास्तविक गिरावट कच्ची सामग्री की कीमतों में थी न कि डीएसडीए की कीमतों में। यहां तक कि डीएनएल का तर्क भारतीय रुपए के मूल्यहास के बारे में आधारहीन है। आयातक भारतीय रुपए में शुल्क का भुगतान करते हैं और यूएस डॉलर के मूल्यों में वृद्धि से आयातकों के शुल्क भार में वृद्धि हुई है क्योंकि पाटनरोधी शुल्क यूएस डॉलर प्रति कि. ग्रा. के अनुसार लगाया गया है। वास्तव में घरेलू उद्योग रुपए के मूल्यहास का अतिरिक्त लाभ उठा रहा है, जो स्वयं ही लागू शुल्क की समीक्षा का एक उचित कारण है।
- xi. जांच की अवधि में कीमतों में कटौती नकारात्मक रही है। साथ ही, आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग के एनआईपी से अधिक रही है और कोई भी सकारात्मक कीमत कटौती घरेलू उद्योग द्वारा कीमत में भारी वृद्धि किए जाने के कारण ही हो सकती है, जिसका मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को देखते हुए कोई स्पष्टीकरण नहीं है। साथ ही चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण घरेलू कीमतों पर न तो कोई कीमत संबंधी मूल्यवृद्धि है और न ही कोई मूल्यहास है। इसी कारण से वर्तमान शुल्कों को तुरंत हटाया जाए।
- xii. जांच की अवधि और तत्काल पूर्व वर्ष की अवधि के बीच आयातों के बाजार अंश में करीब 9% तक की कमी आई है जबकि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के अंश में करीब 9% तक की वृद्धि हुई है। इस प्रकार घरेलू उद्योग पर मात्रा संबंधी कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। यह भी उल्लेखनीय है कि ऐसे आयातों की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग के अनुमानित एनआईपी से भी अधिक है, जिसका कीमत संबंधी प्रभाव नकारात्मक है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**45. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:**

- i. अगस्त-सितंबर, 2014 के करीब डीएसडीए की कीमतों में क्षणिक तीव्र वृद्धि थी। नवंबर, 2014 में शिखर पर जाने के बाद कीमतों में मार्च, 2014 तक पहले ही गिरावट आ गई थी। वर्तमान अवधि में भारतीय रुपए में तेजी से गिरावट आने के बावजूद आयात की कीमत में *** रुपए तक की गिरावट आई। अतः यह स्पष्ट है कि वर्तमान में स्थिति जांच की अवधि के दौरान की स्थिति से बदतर है।

- ii. संक्षिप्त अवधि के लिए सामान्य मूल्य में बदलाव को पाटनरोधी शुल्क की समयपूर्व वापसी के लिए आधार नहीं बनाया जा सकता। डीएसडीए की आयात संबंधी कीमतों में बहुत ही कम अवधि के लिए बिल्कुल महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। अब यूएस डॉलर में आयात कीमत मूल जांच की जांच अवधि के समय प्रचलित आयात कीमत से काफी कम है। पाटनरोधी शुल्क के केवल कुछ माह में परिवर्तित कीमतों के कारण ऐसी समय पूर्व अवस्था में वापस नहीं लिया जाना चाहिए।
- iii. यह आरोप कि वर्तमान जांच की अवधि की तुलना में मूल जांच की अवधि में 18% तक की असामान्य लागत में गिरावट आई है, लेकिन घरेलू उद्योग ने अपनी बिक्री कीमत में कमी नहीं की है, यह सही नहीं है। सच्चाई यही रही कि अगस्त-नवंबर, 2014 की अवधि में बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन की लागत में वृद्धि से भी काफी अधिक रही जबकि नवंबर, 2014 के बाद बिक्री कीमत में गिरावट उत्पादन की लागत में गिरावट से काफी अधिक रही।
- iv. पीएनटी का घरेलू उद्योग द्वारा अधिकांशतः कैप्टिव तौर पर उत्पादन किया जाता है और इसीलिए पीएनटी की आयात कीमतों में परिवर्तन वर्तमान प्रयोजनों के लिए पूरी तरह से असंगत है। वास्तव में डीएसडीए के पाटन में दिसंबर, 2014 के बाद पुनः तेजी आई है, इसलिए चीन के उत्पादकों ने पीएनटी का पाटन करना भी शुरू कर दिया। चूंकि पीएनटी घरेलू उद्योग के लिए एक कैप्टिव उत्पादन है, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग की पीएनटी उत्पादन लागत के आधार पर लागतों पर विचार करना अपेक्षित होगा।
- v. कीमतों में आयातित उत्पादन की लागत से कमी रहने के साक्ष्य हैं। प्रतिवादी कंपनियों की कीमतों में कुछ वृद्धि आयात की कीमतों में वृद्धि के अनुसार देखी जा सकती है। वास्तव में यदि मासिक कीमत कटौती की जांच की जाए तो यह देखा जाएगा कि पाटनरोधी शुल्क के बिना भी कीमत कटौती काफी नकारात्मक रही है, जबकि आयात की कीमतों काफी अधिक थी।
- vi. याचिकाकर्ता के दावों के विपरीत, यह देखना होगा कि वर्ष 2013-14 में लाभ में गिरावट आई थी और उसके बाद वर्ष 2014-15 में वृद्धि हुई, जिसमें बाद में जांच की अवधि के उपरांत पुनः गिरावट आई। निवेशों पर प्रतिफल में भी वही प्रवृत्ति देखने के मिली है। नकद लाभ में जांच की अवधि तक वृद्धि हुई थी और उसके बाद जांच की अवधि के बाद गिरावट आई थी। जांच की अवधि के बाद में आयात की कीमत में भी गिरावट इतनी महत्वपूर्ण थी कि इस तथ्य के बावजूद कि घरेलू उद्योग ने आयात के अनुसार कीमतों में कमी नहीं की और अभी घरेलू उद्योग को वित्तीय हानियों का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, लाभप्रदता में गिरावट इतनी महत्वपूर्ण थी कि नकद लाभ और आरओआई जांच की अवधि के बाद नकारात्मक हो गए।
- vii. यद्यपि, यदि भारत औसतन आधार पर दोनों की तुलना की जाए तो आयात की पहुँच कीमत एनआईपी से अधिक थी, यदि माह दर माह विश्लेषण किया जाए तो यह देखा जाएगा कि क्षति मार्जिन जांच की अवधि की शुरुआत में सकारात्मक था और उसके बाद सितंबर, 2014 से फरवरी, 2015 तक की अवधि के दौरान नकारात्मक हो गया। मार्च, 2015 में क्षति मार्जिन पुनः सकारात्मक था और उसके बाद पूरी जांच की अवधि के उपरांत की अवधि में क्षति मार्जिन सकारात्मक रहा।
- viii. यदि घरेलू उद्योग के निष्पादन को भारत औसतन आधार पर जांचा जाए तो इसमें सुधार दिखाई देगा। यदि घरेलू उद्योग के निष्पादन की माह दर माह आधार पर विश्लेषण करके जांच की अवधि के भीतर जांच की जाए तो यह देखा जाएगा कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में जून, 2014 से दिसंबर, 2014 की अवधि के दौरान सुधार आया है और उसके बाद गिरावट आई है।
- ix. यद्यपि भारत औसतन आधार पर घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत एनआईपी से अधिक हो सकती है, यदि बिक्री कीमत और एनआईपी की तुलना माह दर माह आधार पर की जाए तो यह देखना होगा कि बिक्री कीमत जांच की अवधि की शुरुआत में एनआईपी से कम थी और इसीलिए याचिकाकर्ता द्वारा कथित परिस्थितियों में परिवर्तन की प्रकृति अत्यधिक अस्थायी थी और यह अंतिम प्रकृति की नहीं थी। वास्तव में, परिस्थितियों में वस्तुपरक परिवर्तन देखने में आया है, जो इस सीमा तक चार वर्ष की परिवर्तित मूल्य अवधि के बाद है कि घरेलू उद्योग को इतना अधिक वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है कि नकद लाभ और निवेश पर प्रतिफल भी नकारात्मक है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

46. प्राधिकारी ने क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और वितर्कों पर विचार किया है। प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण माह दर माह आधार पर निर्धारित गैर-क्षतिकारी कीमत के आधार पर है, जिसमें हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों पर तथ्यपरक ढंग से ध्यान दिया गया है। तथापि, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विशिष्ट अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा नीचे दिए अनुसार ध्यान दिया गया है।
47. जहां तक इस बात का संबंध है कि लाभप्रदता की जांच ओबीए के लिए डीएसडीए के कैप्टिव हस्तांतरण को निकालकर की जाए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता ओबीए उत्पादन के लिए डीएसडीए के कैप्टिव हस्तांतरण को निकालकर निर्धारित की गई है।
48. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के तहत यह प्रावधान है कि एक क्षति निर्धारण में ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संकेत देते हैं "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमत पर उसके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को

ध्यान में रखकर/” कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव महत्वपूर्ण मात्रा में कीमतों में कटौती करने के लिए है अथवा कीमत वृद्धि को रोकने के लिए है, जो अन्यथा महत्वपूर्ण मात्रा में हो गई होती।

49. जहाँ तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में यह प्रावधान है कि: “पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच में सभी संबंधित आर्थिक कारणों का मूल्यांकन उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतक बिक्री में कमी होने के प्राकृतिक एवं सम्भावित कारण लाभ, उत्पादन, मार्केट शेयर, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग, घरेलू मूल्यों को प्रभावित करने वाले कारण, वास्तविक पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, वस्तुसूची इन्वेन्टीज रोजगार, वेतन, वृद्धि पूंजी निवेश में वृद्धि करने की क्षमता शामिल है।”

ठ. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

क) मांग एवं बाजार अंश

50. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन से भारत में उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को घरेलू उद्योग की कुल घरेलू बिक्री, अन्य घरेलू उत्पादकों की अनुमानित बिक्री, जैसा कि याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया है और सभी स्रोतों से आयातों का उल्लेख किया है। इस प्रकार से आकलित मांग नीचे सारणी में दी गई है:

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच की अवधि के बाद	वार्षिकीकृत जांच की अवधि के बाद
भारत में मांग							
घरेलू उद्योग की बिक्री कैप्टिव खपत सहित	मी. टन	1,793	2,103	2,903	3,567	2,225	4,449
भारतीय उत्पादक के अलावा बिक्री	मी. टन	550	550	550	550	275	550
चीन (संबद्ध देश) से आयात	मी. टन	2,769	4,397	5,182	3,998	2,469	4,939
अन्य देशों से आयात	मी. टन	338	-	-	7	-	-
कुल मांग	मी. टन	5,450	7,050	8,636	8,122	4,969	9,938
मांग में बाजार का अंश							
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	32.90	29.83	33.62	43.92	44.77	44.77
अन्य भारतीय उत्पादक की बिक्री	%	10.09	7.80	6.37	6.77	5.53	5.53
आयात – संबद्ध देश	%	50.80	62.37	60.01	49.23	49.70	49.70
आयात – अन्य देश	%	6.21	-	-	0.08	-	-

उपरोक्त सूचना यह दर्शाती है कि घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग में 2013-14 तक निरंतर वृद्धि हुई है और उसके बाद जांच की अवधि के दौरान मामूली गिरावट आई है लेकिन उसके बाद जांच की अवधि के उपरान्त वृद्धि हुई है। यद्यपि जांच की अवधि के दौरान मांग में घरेलू उद्योग के अंश में वृद्धि हुई है, और आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के बाद संबद्ध देश का कुल मिलाकर वही स्तर रहा है।

आयात की मात्रा और बाजार अंश

51. प्राधिकारी ने इस अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त की गई आयात संबंधी सूचना पर भरोसा किया है। संबद्ध देश और अन्य देशों से आयात की मात्रा तथा घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री के संबंध में संबद्ध देश से पाटित आयात इस प्रकार हैं:

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच की अवधि के बाद	वार्षिकीकृत जांच की अवधि के बाद
आयात मात्रा							
चीन जन. गण. – संबद्ध देश	मी. टन	2,769	4,397	5,182	3,998	2,469	4,939
अन्य देश	मी. टन	338	-	-	7	-	-
कुल आयात	मी. टन	3,107	4,397	5,182	4,004	2,469	4,939
आयातों में बाजार का अंश							
चीन जन. गण. – संबद्ध देश	%	89.11	100.00	100.00	99.84	100.00	100.00
अन्य देश	%	10.89	-	-	0.16	-	-
निम्नलिखित के संबंध में चीन के आयातों का अंश							
भारत में कुल आयात	%	89.11	100.00	100.00	99.84	100.00	100.00
भारत में मांग	%	50.80	62.37	60.01	49.23	49.70	49.70
उत्पादन	%	44.08	75.20	84.86	61.08	69.27	69.27
घरेलू बिक्री	%	154.42	209.12	178.48	112.07	111.01	111.01

उपरोक्त सूचना यह दर्शाती है कि भारत के लिए आयातों का एकमात्र स्रोत चीन जन. गण. से आयातों का ही रहा। चीन से आयातों में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई लेकिन जांच की अवधि के उपरांत इसमें पुनः वृद्धि हो गई थी तथा इसने घरेलू मांग में महत्वपूर्ण हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

ड. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव

52. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों की महत्वपूर्ण कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव महत्वपूर्ण मात्रा में कीमतों में अथवा कमी करने के लिए है अथवा क्या कीमतों में वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा काफी मात्रा में हो गई होती। संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों के प्रभाव की कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत हास और कीमत गिरावट, यदि कोई हो, के संदर्भ में जांच की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत, निवल बिक्री वसूली (एनएसआर) और गैर-क्षतिकारी कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देश से आयातों की पहुँच लागत के साथ की गई है।

पाटित आयातों का कीमत रोकने और गिराने संबंधी प्रभाव

53. पाटित आयातों के कारण कीमत रोकने और गिराने संबंधी प्रभाव की क्षति अवधि के संबंध में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत, निवल बिक्री वसूली और पहुँच मूल्य के संदर्भ में जांच की गई है :

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच की अवधि के बाद
विक्रियों की लागत	रुपए/मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	107	108	95
बिक्री कीमत	रुपए/मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	112	129	104
पहुँच मूल्य	रुपए/मी. टन	196,529	216,605	233,946	276,328	212,239
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	119	141	108

उपरोक्त सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्ष 2012-13 से जांच की अवधि तक घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत में निरंतर वृद्धि हुई है। इसी प्रकार की प्रवृत्ति घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में है। जांच की अवधि के दौरान बिक्री कीमत में वृद्धि का अनुपात बिक्री की लागत में वृद्धि के अनुपात से अधिक है। लेकिन जांच की अवधि के उपरांत बिक्री की कीमत में गिरावट का अनुपात बिक्री की लागत में गिरावट के अनुपात से अधिक है। इस प्रकार से जांच की अवधि के उपरांत कीमतों में रुकावट हुई है।

कीमत में गिरावट और कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

कीमत में गिरावट

54. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली का आकलन करते समय घरेलू उद्योग की छूट, डिस्काउंट और कमीशन और भुगतान किए गए केंद्रीय उत्पाद शुल्क की कटौती की गई है।

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच की अवधि के बाद
पहुँच मूल्य	रुपए/ मी. टन	196,529	216,605	233,946	276,328	212,239
निवल बिक्री कीमत	रुपए/ मी. टन	***	***	***	***	***
पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत में कटौती	रुपए/ मी. टन	***	***	(***)	(***)	(***)
पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत में कटौती का %	%	***	***	(***)	(***)	(***)
पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत में कटौती का %	रेंज %	0-10	0-10	नकारात्मक	नकारात्मक	नकारात्मक

उपरोक्त सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान तथा जांच की अवधि के उपरांत बिना पाटनरोधी शुल्क के घरेलू कीमत पर संबद्ध देश से पाटित आयातों की कीमत में गिरावट से संबंधित प्रभाव नकारात्मक है।

कम कीमत पर बिक्री

55. कम कीमत पर बिक्री के प्रयोजन के लिए डीजीसीआईएंडएस डाटा के आधार पर संबद्ध देश से आयातों की पहुँच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग का गैर-क्षति कीमत के साथ की गई है। इससे यह पता चलता है कि जांच की अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव नकारात्मक है।

विवरण	इकाई	जांच की अवधि
गैर-क्षति कीमत	रुपए/मी. टन	***
पहुँच मूल्य	रुपए/मी. टन	2,76,328
कम कीमत पर बिक्री	रुपए/मी. टन	(***)
कम कीमत पर बिक्री %	%	(***)
कम कीमत पर बिक्री % (रेंज)	रेंज %	नकारात्मक

ढ. ढरेलू उद्योग के अन्य आर्थिक मानदंडों की जांच**बिक्री मात्रा, उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग**

56. बिक्रियों, उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग के ब्यौरे इस प्रकार हैं :

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच की अवधि के बाद	वार्षिकीकृत जांच की अवधि के बाद
संस्थापित क्षमता - संयंत्र	मी. टन	6,600	6,600	6,600	6,600	3,300	6,600
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100	100	100
उत्पादन - संयंत्र	मी. टन	6,502	5,921	6,324	6,687	3,630	7,261
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	97	103	112	112
क्षमता उपयोग - संयंत्र	%	98.52	89.72	95.81	101.31	110.01	110.01
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	97	103	112	112
उत्पादन - पीयूसी	मी. टन	6,280	5,847	6,107	6,545	3,565	7,129
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	97	104	114	114
घरेलू बिक्रियां, कैप्टिव को छोड़कर - पीयूसी	मी. टन	1,793	2,083	2,801	2,769	1,775	3,549
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	156	154	198	198
कैप्टिव खपत	मी. टन	-	20	102	798	450	900
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	-	100	5,03	3,935	4,434	4,434

यह नोट किया गया है कि यद्यपि उत्पादन की क्षमता स्थिर रही, लेकिन उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियों में जांच की अवधि के दौरान और जांच की अवधि के बाद वृद्धि हुई है।

वस्तुसूची:

57. वस्तुसूची के संबंध में आंकड़े इस प्रकार हैं:

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच के अवधि के बाद
प्रारंभिक स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी. टन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	120	37	49	65

उपरोक्त सूचना से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि औसत वस्तुसूची में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है लेकिन जांच की अवधि के बाद वृद्धि हुई है। इसके अलावा, औसत वस्तुसूची पूरी जांच की अवधि के दौरान महत्वपूर्ण रही।

नकदी प्रवाह पर लाभ और वास्तविक व संभावित प्रभाव

58. नकी प्रवाह पर लाभों और वास्तविक व संभावित प्रभाव का ब्यौरा नीचे दिया गया है। जहां तक लाभ/ हानि और नकदी प्रवाह का संबंध है। यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता कर से पूर्व लाभ और ब्याज तथा नकदी लाभ में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान में वृद्धि हुई है। जांच की अवधि की तुलना में जांच की अवधि के उपरांत उपरोक्त सभी मानदंड गिरावट की प्रवृत्ति को दर्शा रहे हैं।

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच के अवधि के बाद	वार्षिकीकृत जांच के अवधि के बाद
बिक्री की लागत	रुपए/ मी. टन	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	107	108	95	95
बिक्री कीमत	रुपए/ मी. टन	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	112	129	104	104
लाभ/हानि	रुपए/ मी. टन	(***)	***	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	46	(12)	300	72	72
लाभ/हानि	लाख रुपए	(***)	***	(***)	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	53	(18)	463	142	142
पीबीआईटी	लाख रुपए	(***)	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	89	50	660	264	264
नकदी लाभ	लाख रुपए	(***)	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	137	77	907	322	322
आरओसीई	%	- ***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	98	37	455	170	170

रोजगार और मजदूरी

59. रोजगार और मजदूरी से संबंधित डाटा इस प्रकार है:

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच के अवधि के बाद	वार्षिकीकृत जांच के अवधि के बाद
रोजगार	संख्या	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	102	101	104	104
मजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	101	105	107	107

यह देखा गया है कि जांच की अवधि के दौरान और जांच की अवधि के उपरांत समूची क्षति अवधि के दौरान रोजगार की स्थिति कुल मिलाकर उसी स्तर पर रही जबकि मजदूरी में आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान और जांच की अवधि के उपरांत वृद्धि हुई है।

उत्पादकता

60. उत्पादकता के संबंध में आंकड़े यह दर्शाते हैं:

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच के अवधि के बाद
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी. टन/ संख्या	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	95	91	96
प्रतिदिन उत्पादकता	मी. टन/ दिन	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	93	97	92	100

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की प्रतिदिन की उत्पादकता में आधार वर्ष की तुलना में गिरावट आई है लेकिन जांच की अवधि के उपरांत वृद्धि हुई है।

पाटन की मात्रा

61. उपरोक्त पाटन मार्जिन से संबंधित खंड से यह पाया गया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन जांच की अवधि में सकारात्मक है।

वृद्धि

62. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि तक लगभग सभी कीमत मानदंडों के संदर्भ में वृद्धि दर्शाई है लेकिन जांच की अवधि के उपरांत उन्हीं मानदंडों ने नकारात्मक वृद्धि दर्शाई गई है।

वृद्धि	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच की अवधि के बाद
उत्पादन	%	-	(6.90)	4.44	7.17	8.93
विक्री	%	-	16.16	34.52	(1.16)	28.19
विक्री कीमत	%	-	6.62	5.31	15.24	(19.99)
उत्पादन की लागत	%	-	(1.01)	8.33	0.61	(12.18)
लाभ/ हानि	%	-	145.51	125.46	2,686.20	(76.07)

धनराशि जुटाने की योग्यता

63. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने उत्पादन का अपनी क्षमता में वृद्धि नहीं की है।

ण. क्षति और क्षति मार्जिन की मात्रा

64. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की गैर-क्षति कीमत, जो प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई है, उसकी क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से निर्यातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना की गई है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति जांच की अवधि के दौरान माह दर माह आधार पर सकारात्मक है। जांच की अवधि के लिए इस प्रकार निर्धारित क्षति मार्जिन इस प्रकार है:

क्रम सं.	उत्पादक/निर्यातक	घरेलू उद्योग की एनआईपी (यूएस डॉलर/ मी. टन)	पहुँच कीमत (यूएस डॉलर/ मी. टन)	क्षति मार्जिन (यूएस डॉलर/ मी. टन)	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज %
1	त्सकर (डोंगगुआंग) कं. लि.	***	***	***	***	0-10
2	अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	10-20

सामग्री क्षति पर निष्कर्ष

65. यह नोट किया जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में उत्पादन, विक्री की मात्रा, बाजार अंश, क्षमता उपयोग, लाभ, नकदी लाभ तथा लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल के संदर्भ में सुधार आया है। यह सुधार स्पष्ट है क्योंकि वर्तमान एमटीआर जांच के आधार वर्ष में मूल जांच की जांच की अवधि का महत्वपूर्ण भाग शामिल है, जिसमें कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण हुई क्षति प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित की गई थी और पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी। मूल जांच की जांच की अवधि के उपरांत घरेलू उद्योग के निष्पादन में प्रदर्शित सुधार केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के परिणामस्वरूप हुए थे। तथापि, पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद वर्तमान एमटीआर जांच की जांच की अवधि में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन सकारात्मक पाए गए हैं। जिनसे यह प्रदर्शित होता है यदि पाटनरोधी शुल्क हटा लिए जाते हैं तो पाटन और क्षति में तेजी आ सकती है।

त. अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

66. सामग्री क्षति की मौजूदगी की जांच करते समय इसकी कम कीमत पर विक्री और कीमत में रुकावट तथा गिरावट के प्रभावों, अन्य संकेतात्मक मानदंडों, जो भारतीय पाटनरोधी नियमों और करार में सूचीबद्ध हैं, के संदर्भ में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रा और कीमत संबंधी प्रभाव की प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों के अलावा कोई अन्य कारक घरेलू उद्योग की क्षति के लिए भागीदार हो सकती है, इस प्रकार है:

(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमतें

67. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का आयात होना आयात का एकमात्र स्रोत होता है। अतः अन्य देशों से आयात घरेलू क्षति के लिए कारणात्मक क्षति के रूप में नहीं माने जा सकते।

(ख) मांग में संकुचन और खपत की पद्धति में परिवर्तन

68. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान तत्काल पूर्व के वर्ष की तुलना में मामूली गिरावट को छोड़कर क्षति अवधि के दौरान मांग में कोई संकुचन नहीं है।

(ग) प्रौद्योगिकी में विकास

69. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने प्रौद्योगिकी में ऐसे महत्वपूर्ण परिवर्तनों को दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

(घ) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं और प्रतिस्पर्धा

70. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं का आसानी से आयात किया जा सकता है। घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तुओं का प्रमुख उत्पादक है। घरेलू तौर पर उत्पादित संबद्ध वस्तुएं पाटित कीमतों पर संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा कर रही है।

(ङ) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

71. नीचे दी गई सारणी घरेलू उद्योग के द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन को सारणीबद्ध करती है:

विवरण	इकाई	2011-12	2012-13	2013-14	जांच की अवधि	जांच की अवधि के बाद	वार्षिकीकृत जांच की अवधि के बाद
निर्यात विक्री	मी. टन	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	88	73	68	61	61

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के निर्यात की मात्रा में गिरावट आई है। तथापि, घरेलू और निर्यात व्यापार में कीमत और लाभप्रदता को वर्तमान क्षति आकलन के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी द्वारा पृथक किया गया है :

(च) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

72. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में निरंतर वृद्धि हुई है।

थ. क्षति के जारी रहने और पुनरावृत्ति होने की संभावना**याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

73. याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- पाटन और क्षति जारी रहना अथवा उसकी पुनरावृत्ति होना नियम 23 (1ख) अर्थात् निर्णायक समीक्षा के तहत जांच करने के लिए जांच का विषय है न कि एमटीआर की विषय वस्तु है। एक एमटीआर में विचार किए जाने का मामला उस मामले की संतुष्टि का है कि यदि कथित पाटनरोधी शुल्क को हटा लिया जाता है अथवा बदलाव किया जाता है तो घरेलू उद्योग को क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है।
- घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति नहीं हो रही। घरेलू उद्योग को लागू पाटनरोधी शुल्कों से अनुचित लाभ प्राप्त हो रहा है। अतः शुल्क को हटा लिया जाए।
- घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की कोई संभावना नहीं है, यदि कथित पाटनरोधी शुल्क को हटा लिया जाए अथवा बदलाव किया जाए और इसीलिए इसकी आगे जरूरत नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

74. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- मध्य आवधिक समीक्षा जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी को पाटनरोधी शुल्क को हटा लिए जाने पर उत्पन्न होने वाली संभावित स्थिति पर विचार करना है। केवल वर्तमान निष्पादन यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त नहीं है कि पाटनरोधी शुल्क वापस लिए जा सकते हैं।
- निरंतर क्षति होते न रहने का अर्थ यह नहीं है कि पाटनरोधी शुल्कों को वापस लिए जाने की स्थिति में क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना नहीं है। पाटनरोधी कानून में यह प्रावधान है कि प्राधिकारी को अनिवार्य रूप से इस बात की जांच करनी है कि यदि कथित पाटनरोधी शुल्क को हटा लिया जाता है अथवा उसमें बदलाव किया जाता है तो क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की कोई भी संभावना है और क्या बदली हुई परिस्थितियां अंतिम प्रकृति की हैं।

- iii. निर्णायक समीक्षा और मध्य आवधिक समीक्षा से संबंधित नियमों की भाषा जानबूझकर अलग-अलग रखी गई है ताकि वापसी की जरूरत को प्रमाणित करने की सचेतता पर अधिक बल दिया जा सके। पाटनरोधी शुल्कों की समय पूर्व वापसी की जांच करते समय पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 (1क) में संभावना "नहीं" शब्द पर अधिक बल और सशक्त जिम्मेदारी को दर्शाता है।
- iv. निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात पर विचार और निर्धारण करना अपेक्षित है कि क्या एक निर्णायक समीक्षा में पाटनरोधी शुल्क को आगे बढ़ाने की जरूरत है, जबकि मध्य आवधिक समीक्षा में, निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह विचार करना और निर्धारण करना आवश्यक है कि क्या समय पूर्व अवस्था में पाटनरोधी शुल्क को हटाने के लिए पर्याप्त औचित्यता है। शुल्क का विस्तार करना शुल्क की वापसी से पर्याप्त रूप से भिन्न है, मध्य आवधिक समीक्षा में मानदंड और जिम्मेदारी निर्णायक समीक्षा के समय मानदंड और जिम्मेदारी से बिल्कुल अलग हैं। याचिकाकर्ता ने शुल्क को "हटाने की जरूरत" को प्रमाणित करने के लिए व्यावहारिक रूप से कोई सूचना प्रदान नहीं की है।
- v. यहां तक कि पाटनरोधी शुल्क में संशोधन करने के लिए आवेदकों को यह प्रमाणित करना है कि परिस्थितियों में परिवर्तन अंतिम प्रकृति के हैं। याचिका का अनुसरण करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि यहां तक कि याचिका का पाटन और क्षति की संभावना से कोई संबंध नहीं है। घरेलू उद्योग का यह कहना है कि यह सूचना और दावा ऐसी अवस्था में पाटनरोधी शुल्क की वापसी के लिए पूरी तरह पर्याप्त नहीं है। याचिकाकर्ता को यह प्रमाणित करना है कि पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने के लिए कोई औचित्य नहीं है।
- vi. चूंकि पाटनरोधी शुल्क वापस लेने की स्थिति में मध्य आवधिक समीक्षा की अवस्था में अपेक्षा "क्षति की कोई संभावना नहीं" है इसलिए केवल घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार के संबंध में केवल तर्क ही पाटनरोधी शुल्क की वापसी करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है। यदि याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग को कोई भी क्षति न होने का तर्क दिया है तो याचिकाकर्ता को उसके बाद यह प्रमाणित करना है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटनरोधी शुल्क की वापसी की अवस्था में सम्भव नहीं है।
- vii. पाटनरोधी शुल्क लगाने का पूरा प्रयोजन घरेलू उद्योग को क्षति और उत्पाद को पाटन से रोकना है। अतः घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं होना और उत्पाद का कोई पाटन नहीं होना पाटनरोधी शुल्क लगाने के बाद के सामान्य परिणाम हैं। जब शुल्क लगाने का उद्देश्य पाटन और क्षति को दूर करना, समीक्षा अवधि में पाटन अथवा क्षति को कम करना है, इसलिए यह शुल्क वापसी के लिए आधार नहीं बन सकता। यह उन कारणों में से एक कारण है कि नियम 23 (1क) में प्राधिकारी को यह अधिदेश है कि वह केवल घरेलू उद्योग की वर्तमान स्थिति पर ध्यान केंद्रित करने की बजाय घरेलू उद्योग पर शुल्क हटाने के प्रभाव की जांच करें। याचिकाकर्ता यह प्रमाणित करे कि पाटनरोधी शुल्क जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है।
- viii. एक मध्य आवधिक समीक्षा जांच में निर्यातक के लिए यह प्रमाणित करना पर्याप्त नहीं है कि वर्तमान समीक्षा अवधि में उत्पाद का पाटन नहीं किया जा रहा था। आयातक को यह प्रमाणित करना होता है कि कोई पाटन नहीं हो रहा था और यदि पाटनरोधी शुल्क को वापस ले लिया जाता है अथवा बदलाव किया जाता है तो उत्पाद के पाटन की कोई संभावना नहीं है।
- ix. इसी प्रकार घरेलू उद्योग को केवल कोई क्षति न होना ही पूरी तरह से पर्याप्त नहीं है। निर्यातक को यह प्रमाणित करना भी अपेक्षित है कि यदि पाटनरोधी शुल्कों को वापस लिया जाता है अथवा संशोधित किया जाता है तो कोई क्षति होने की संभावना नहीं है।
- x. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 270 यूएस डॉलर/मी. टन से 460 यूएस डॉलर/मी. टन के बीच का पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। तथापि, घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतों में पाटनरोधी शुल्क की पूरी मात्रा को कभी भी शामिल नहीं किया। वास्तव में, घरेलू उद्योग ने अपनी ओर से उत्पाद के लिए तर्कसंगत कीमत प्रभाषित की है और आयात कीमत के साथ अपनी कीमत में परिवर्तन नहीं किया है। तथापि, यदि एक समय-पूर्व की अवस्था में वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को हटा दिया जाए तो घरेलू उद्योग को भारी क्षति होने की संभावना है क्योंकि उपभोक्ताओं को घरेलू उद्योग की एक तर्कसंगत कीमत का भुगतान करने की संभावना नहीं है।
- xi. घरेलू उद्योग उत्पादन की लागत की तुलना प्रस्तुत करता है और बिक्री कीमत यह दर्शाती है कि उत्पादन की लागत उसकी आधार वर्ष के साथ तुलना करने पर उसी स्तर पर रही जबकि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत आधार वर्ष में दर्शाए गए स्तरों से अधिक रही। इसलिए यह प्रतीत होगा कि आयातों की वजह से कोई कीमत संबंधी रुकावट अथवा गिरावट नहीं हुई। तथापि, पाटनरोधी शुल्क की वापसी होने से घरेलू उद्योग की कीमतों में वृद्धि रुकने की संभावना है। यह बात जांच की अवधि में ही तथ्यों से प्रमाणित हो गई। जांच की अवधि के भीतर आंकड़ों का माह दर माह विश्लेषण यह दर्शाता है कि जांच की अवधि के भीतर लागत समानुपात में गिरावट के बिना बिक्री कीमत में तीव्र गिरावट आई है।
- xii. एकमात्र निर्यातक अर्थात् त्सकर केमिकल ग्रुप लि., जिसने मूल जांच में भाग लिया था, के पास निर्यात की ओर अत्यधिक रुख है। फ्रोस्ट सुलिवान (द "इंडस्ट्री रिपोर्ट") की उद्योग रिपोर्ट के अनुसार, यह ग्रुप विश्व में सबसे बड़ा डीएसडी एसिड का उत्पादक था, जिसका वर्ष 2014 में विश्व के बाजार अंश में 57.4% हिस्सा था। डीएसडी एसिड और अन्य डार्ड इंटरमीडिएट का मामूली वृद्धि के साथ तर्कसंगत स्तर पर सकल लाभ मार्जिन को बनाए रखकर ग्रुप ने बाजार में ग्रुप के प्रभाव को आगे विस्तार प्रदान करने के लिए कीमतों में कमी लाने के लिए पहल की है। ग्रुप ने फरवरी, 2015 से पीएनटी, ओएनटी, एमएनटी और ओटी जैसे नए उत्पादों का उत्पादन शुरू कर दिया है। पीएनटी का उत्पादन करने का उद्देश्य अपने प्रमुख उत्पाद, जो कि डीएसडी एसिड है, के लिए एक स्थायी कच्चे माल की आपूर्ति को बनाए रखने के रणनीतिक उद्देश्य को हासिल करना है।

- xiii. उपरोक्त से यह स्पष्ट होता है कि निर्यातक स्वयं पर्याप्त है और डीएसडी एसिड अर्थात् विचाराधीन उत्पाद के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में विश्व बाजार में अपने प्रभावी अंश को बनाए रखकर लाभ प्राप्त करने के लिए कीमतों में कमी करने के लिए इच्छुक है। अतः यदि इस अवस्था में मौजूदा पाटनरोधी शुल्कों को हटा लिया जाए तो पाटन और क्षति में पुनः वृद्धि होने की संभावना है। इसके अलावा, अन्य उत्पादक/ निर्माता है, जिसकी निर्यात प्रतिशतता अधिक है और जिसका प्रचालन पूरे विश्व में फैले हुए है। यह भारत में विचाराधीन उत्पाद के पाटन में वृद्धि होने की स्पष्ट संभावना को दर्शाता है और मौजूदा शुल्कों का हटाने की अवस्था में घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना है।
- xiv. त्सकर केमिकल ग्रुप लि. की अंतरिम रिपोर्ट, 2015 में डीएसडीएस के लिए क्षमताओं का विस्तार होने का संकेत है। अपने संगत भाग में निम्नलिखित का उल्लेख किया गया है :
- हम डोंगींग, शांडोंग प्रांत में एक नया उत्पादन संयंत्र बनाने की तैयारी कर रहे हैं। डीएसडी एसिड, डीएमएसएस और मोनोनाइट्रोएलुएन के लिए वर्ष 2015 के अंत में हमारी नियोजित रूप से डिजाइन की गई वार्षिक उत्पादन क्षमताएं अनुमानतः करीब क्रमशः 55,000 टन, 4500 टन और 80,000 टन है, हम अपने डोंगाओ उत्पादन संयंत्र के क्षमता विस्तार को पूरा करने के लिए कतिपय अतिरिक्त परिसंपत्तियां पट्टे पर ले रहे हैं।*
- xv. उपरोक्त से अधिक्य क्षमताएं होने का स्पष्ट संकेत है, विशेष रूप से इस तथ्य को देखते हुए कि भारत में मांग केवल 4000-7500 मी. टन है। चीन में उत्पादकों की क्षमताएं भारत में मांग से काफी अधिक हैं। वे आसानी से पूरी घरेलू मांग को समाप्त कर सकते हैं। अतः भारी क्षमताओं और अधिक निर्यात अभिमुखी होने को देखते हुए, पाटनरोधी शुल्क हटाने की अवस्था में आयातों की मात्रा में और भी वृद्धि होगी।

प्राधिकारी द्वारा जांच

75. पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के तहत प्राधिकारी को समय-समय पर शुल्क को जारी रखने की जरूरत की जांच करनी अपेक्षित है। एक मध्य आवधिक समीक्षा में प्राधिकारी को यह तय करना होता है कि क्या संबद्ध देश से पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तुएं भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही हैं, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है अथवा संबद्ध देश से पाटित कीमतों पर निर्यात होने की संभावना है, जो पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की अवस्था में घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति होने की संभावना का संकेत है। इस प्रकार से एक मध्य आवधिक समीक्षा में पाटन और क्षति की संभावना का विश्लेषण करना जरूरी हो गया है, जबकि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जांच में जांच की अवधि के दौरान नकारात्मक माने गए हैं। पाटन मार्जिन उपायों को लागू करने का उद्देश्य संबद्ध वस्तुओं के पाटन के क्षतिकारी प्रभाव को रोकना है। अतः एक प्रभावी पाटनरोधी उपाय पाटन के क्षतिकारी प्रभाव को अवश्य ही रोकेगा। लेकिन वर्तमान मामले में, पाटनरोधी शुल्क लगाने के बावजूद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन निरपवाद जारी रही, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई। यह प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सकारात्मक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से प्रमाणित है। अतः वर्तमान मामला पाटन और क्षति जारी रहने की मामला होने के कारण प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क न होने की स्थिति में पाटन और क्षति जारी रहने की संभावना को प्रमाणित करने के लिए कोई भी विश्लेषण आवश्यक नहीं है। न ही प्राधिकारी ने पाटन और क्षति के जारी रहने/तेजी आने की संभावना को प्रमाणित करने के लिए निम्नलिखित विश्लेषण किया है।

निर्यातों का मूल्य: जांच की अवधि के बाद

76. घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन होने के कारण क्षति होने की संभावना की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने जांच की अवधि के बाद की अवधि में भी भारत को संबद्ध वस्तुओं के निर्यातों की मात्रा का विश्लेषण किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के बाद भारत को देश से निर्यातों की मात्रा डीजीसीआईएंडएस डाटा के आधार पर 2469 मी. टन (वार्षिकीकृत 4939 मी. टन) थी, जिसमें 24% की वृद्धि दर्शाई गई है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बावजूद जांच की अवधि के बाद भारत में आयातों में वृद्धि की महत्वपूर्ण दर रही है।

भारतीय बाजार में संबद्ध देश का बाजार अंश

77. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि और जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान संबद्ध देश से बाजार अंश पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बावजूद आधार वर्ष के ही स्तर पर रहे। इसके अलावा, संबद्ध देश का बाजार अंश महत्वपूर्ण रहा।

भारतीय बाजार की आकर्षकता

78. जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन तथा भारतीय बाजार में संबद्ध देश के पास धारित महत्वपूर्ण बाजार अंश के साथ संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों में वृद्धि यह दर्शाती है कि चीन के निर्यातकों के लिए भारतीय बाजार आकर्षक है।

विदेशी उत्पादकों का निर्यात अभिमुखीकरण

79. चीन के निर्यातकों का, विशेषकर केमिकल में निर्यात के लिए अभिमुखी होना सभी को ज्ञात है। प्रतिवादी सहयोगी निर्यातक की ग्लोबल पेशकश रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि इस कंपनी का 55,000 मी. टन का लक्ष्य वर्ष 2015 के अंत का है। वर्तमान में वे वैश्विक मांग की 55% से अधिक की पूर्ति करते हैं। इस निर्यातक के अलावा उपलब्ध डाटा यह दर्शाते हैं कि चीन के अन्य निर्यातक

भी हैं। भारत में बहुत कम मांग (करीब 8100 मी. टन) को देखते हुए, यदि पाटनरोधी शुल्कों को हटा लिया जाता है तो भारत में पूरी की पूरी मांग चीन जन. गण. से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा पूरी की जा सकती है।

वर्तमान और पूर्व पाटन मार्जिन का स्तर

80. पूर्व जांच में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन और अब आकलित पाटन मार्जिन पर विचार करते हुए यह बिल्कुल स्पष्ट है कि निर्यात पाटित कीमतों पर होना जारी रहा और यह पाटनरोधी शुल्कों को हटाने के साथ जारी रहने की संभावना है। आयातों की मात्रा पाटनरोधी शुल्कों को लगाने के बाद भी महत्वपूर्ण रही। वर्तमान जांच की अवधि में आयातों की मात्रा मूल जांच की अवधि से अधिक रही। इसके अलावा, आयातों की मात्रा में जांच की अवधि के बाद की अवधि के दौरान भी वृद्धि रही। इस प्रकार पाटनरोधी शुल्कों को हटाने की अवस्था में संबद्ध देश के निर्यातकों के लिए भारत को पाटित कीमतों पर संबद्ध निर्यातकों के लिए भारत को पाटित कीमतों पर संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करना और भारतीय उत्पादकों से पूरा बाजार छीनना कठिन होगा।
81. उपर्युक्त जांच यह दर्शाती है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार केन्द्र सरकार द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के कारण है। प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि चूंकि वर्तमान एमटीआर जांच के आधार वर्ष में मूल जांच की जांच अवधि का प्रमुख भाग है, जिसमें संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयात से क्षति सिद्ध हुई थी, अतः मूल जांच की जांच अवधि के बाद घरेलू उद्योग के निष्पादन में दर्शाया गया सुधार स्पष्टतः लागू पाटनरोधी शुल्क के परिणामस्वरूप था, अतः यह सुधार स्वाभाविक रूप से अंतिम नहीं हो सकता क्योंकि उपर्युक्त शुल्क के बाद होने से घरेलू उद्योग को निरंतर क्षति हो सकती है। इसके अतिरिक्त यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन वर्तमान एमटीआर जांच की जांच अवधि में सकारात्मक पाए गए हैं, इससे यह भी संकेत मिलता है कि पाटन और क्षति काफी हो सकती है, यदि पाटनरोधी शुल्क पुनः लगाया जाता है।

द. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मामले

82. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में अच्छी प्रतिस्पर्धा से पाटनरोधी उपायों से कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय किए जाने से पाटित प्रक्रियाओं से प्राप्त अनुचित लाभ हटेंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को व्यापक चयन करने की उपलब्धता बनी रहेगी। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय करने से संबद्ध देश से आयातों में किसी भी तरह से प्रतिबंध नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर प्रभाव नहीं पड़ेगा। पाटनरोधी शुल्कों को लगाने का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रिया के द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति की पुनः स्थापना हो सके, जो सामान्यतः देश के हित में है। इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

न. प्रकटीकरण के बाद की टिप्पणियां

83. याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण के बाद निम्नलिखित टिप्पणियां की गईं :
 - i. घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में बहुत अधिक सुधार हुआ है और यह उस स्तर तक पहुंच गया है जिसके बारे में वर्तमान पाटनरोधी शुल्क को हटाए जाने की स्थिति में किसी प्रकार के संभावित क्षति की शंका नहीं हो सकती है। इस प्रकार से प्राधिकारी को चीन जनवादी गणराज्य से डी ए एस डी ए के आयातों पर वर्तमान पाटनरोधी शुल्क रद्द करना चाहिए।
 - ii. डी ए एस डी ए की कीमत का प्रबंधन डी एन एल कर रहा है और उनके ओबीए व्यापार के अनुरूप आपूर्ति का प्रबंध कर रहा है।
84. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटीकरण के बाद निम्नलिखित टिप्पणियां की गईं :
 - i. संभावना के निर्धारण के लिए, पूर्ण जांच की अवधि के पश्चात की सूचना प्राधिकारी द्वारा ली जानी चाहिए और नकि जांच की अवधि के बाद के मात्र 6 महीने की सूचना ली जानी चाहिए।
 - ii. निर्धारित क्षतिरहित कीमत बहुत कम है और यह घरेलू उद्योग के कानूनी हितों का संरक्षण करने के लिए पूर्ण रूप से अपर्याप्त है।
 - iii. चूंकि वर्तमान मामला एक एमटीआर है, अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी कृपया शुल्क के उसी रूप में अथवा उसी तरीके पर विचार करें। शुल्क अमरीकी डॉलर में लगाया जाना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

- i. याचिकाकर्ता के इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में बहुत अधिक सुधार हुआ है और इसलिए, प्राधिकारी को वर्तमान पाटनरोधी शुल्क हटा लेना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच परिणाम में उपलब्ध व्यूरे अपने आप में स्पष्ट हैं। यद्यपि, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है, वह पाटनरोधी शुल्क के कारण हुआ है। इसके हटाए जाने की स्थिति में, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

- ii. याचिकाकर्ता के इस तर्क के संबंध में कि डी एन एल अपने ओबीए व्यापार के अनुरूप डी ए एस डी ए की कीमत और आपूर्ति का प्रबंध कर रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ओबीए एक अलग उत्पाद है और इस कारण से यह इस जांच के क्षेत्राधिकार में नहीं पड़ता है।
- iii. घरेलू उद्योग के इस तर्क के संबंध में कि संभावना का निर्धारण करने के लिए, जांच की अवधि के पश्चात की पूर्ण सूचना ली जानी चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी ए डी में चल रही प्रथा के रूप में जांच की अवधि के पश्चात केवल 6 महीने के आंकड़े जांच की अवधि के बाद के विश्लेषण के लिए लिया जाता है।
- iv. घरेलू उद्योग के इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत बहुत कम है और यह पूर्ण रूप से पर्याप्त नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उसका निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-3 के अंतर्गत निर्धारित कानून के अनुसार किया गया है।

प. निष्कर्ष:

85. वर्तमान समीक्षा शुरू करते हुए और समीक्षा करने पर तथा की गई आपत्तियों, प्रदान की गई सूचना तथा याचिकाकर्ता और अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों के माध्यम से प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध अथवा इस जांच परिणाम में अन्यथा दर्ज किए गए तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और वर्तमान पाटन की स्थिति के विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- i. पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बावजूद पाटन जारी रहे, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई।
- ii. पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के बावजूद, संबद्ध देश के पास भारतीय बाजार में एक बड़ा हिस्सा है।
- iii. घरेलू उद्योग के निष्पादन में ज्यादातर सुधार पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण है। तथापि, यह सुधार अंतिम प्रकृति का नहीं है क्योंकि वह मुख्यतः पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण है।
- iv. पाटनरोधी शुल्क को हटाने के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन में क्षतिकारी पाटन और निष्पादन में गिरावट होने में तेजी आ सकती है।

फ. सिफारिश

86. यह निष्कर्ष निकालते हुए कि पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने के बावजूद क्षतिकारी पाटन जारी रहा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन की उच्च उत्पादन क्षमता और भारत में मांग तथा निर्यात उन्मुखी उत्पादन के आकर्षण को देखते हुए पाटनरोधी शुल्क न होने की स्थिति में पाटन और क्षति में तेजी आ सकती है और वास्तव में कोई भी इस तथ्य को नकार नहीं सकता कि घरेलू उद्योग की आर्थिक स्थिति में एमटीआर की जांच की अवधि के दौरान काफी सुधार आया है। लेकिन यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि वर्तमान एमटीआर में तुलना के लिए आधार वर्ष मूल जांच की जांच की अवधि का एक प्रमुख हिस्सा है और जांच वर्तमान एमटीआर की जांच की अवधि तथा आधार वर्ष के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन की तुलना से निश्चय ही सकारात्मक रुझान मिलेगा। अन्यथा, पाटनरोधी शुल्क लगाना पूरी तरह अप्रभावी हो जाएगा। इस प्रकार, यदि शुल्क हटा लिए जाते हैं तो संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के कारण पाटन और क्षति को जारी रखने/तेजी आने की संभावना है। अतः उपरोक्त तथ्यों और विश्लेषण तथा वर्तमान एमटीआर जांच की जांच की अवधि के दौरान सकारात्मक पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन पर विचार करते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में किए गए उपायों को संशोधित करके विस्तारित किए जाने की जरूरत है।
87. प्राधिकारी ने संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पहले दिनांक 22 नवंबर, 2013 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना संख्या 14/1/2012-डीजीएडी के तहत सिफारिश की थी और केंद्र सरकार द्वारा दिनांक 23 जनवरी, 2014 की अधिसूचना संख्या 9/2014-सीमाशुल्क (एडीडी) के तहत निश्चयात्मक शुल्क लगाए गए थे। उपरोक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाना जारी रखने की सिफारिश करते हैं, जो नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट है :

शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष*	वस्तुओं का विवरण**	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादन	निर्यातक	शुल्क की राशि***	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	29215990	2 डाई सल्फोनिक एसिड	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	डोंगगुआंग) कं. लि.	तस्कर केमिकल (डोंगगुआंग) कं. लि.	99	मी. टन	अम.डॉ.
2	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	उत्पादन/निर्यातक का कोई भी संयोजन (उक्त क्रम सं. 1 को छोड़कर)		477	मी. टन	अम.डॉ.

3	-वही-	-वही-	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. को छोड़कर कोई भी देश	कोई	कोई	477	अम.डॉ.	अम.डॉ.
4	-वही-	-वही-	चीन जन. गण. को छोड़कर कोई भी देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	477	मी. टन	अम.डॉ.

टिप्पणी: * संबद्ध वस्तुएं अन्य टैरिफ शीर्षकों जैसे 29214290, 29222190, 29222990, 29309099, इत्यादि के तहत भी आयात की जा रही है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह से इस जांच के दायरे में बाध्यकारी नहीं है।

** विचाराधीन उत्पाद अर्थात् 4, 4 डाई अमीनो स्टाइलबेन 2, 2 डाई सल्फोनिक एसिड (डीएसडीए) भी इस प्रकार जाना जाता है:

- 2, 2'-(1, 2- इथाइलीनडाइल) बिस (5-अमीनोबेन्जेनसल्फोनिक एसिड)
- 4, 4'-डाई अमीनो स्टाइलबेन- 2, 2'-डाई सल्फोनिक एसिड
- 2, 2'- ईथेन -1, 2-डाईलबिस (5- अमीनो बेन्जेन सल्फोनिक एसिड)
- एम्सोनिक एसिड
- डीएसडी एसिड

*** 100% के आधार पर गणना की गई संबद्ध वस्तुओं की मात्रा पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाएगा।

ब. आगे की प्रक्रिया

88. केंद्र सरकार द्वारा इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना के कारण उत्पन्न आदेश के विरुद्ध कोई भी अपील सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th September, 2016

FINAL FINDINGS

Subject: Mid Term Review (MTR) of the Anti-dumping Duties imposed on the imports of “4,4Diamino Stilbene2, 2 Disulphonic Acid” (DASDA), originating in or exported from China PR.

No. 15/18/2015-DGAD: - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as the Rules);

A. Background of the case:

2. Whereas, the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), had notified its final findings vide Notification 14/1/2012-DGAD dated 22nd November 2013, recommending imposition of definitive anti-dumping duty on the imports of 4,4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (hereinafter referred to as the subject goods, or “DASDA”, originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country). The definitive anti-dumping duties were imposed by the Central Government vide Notification No. 09/2014 – Customs (ADD) dated 23rd January 2014.

3. The Dyestuffs Manufactures Association of India, Mumbai, a representative body of importers/users of the subject goods, has submitted an application requesting for initiation of a review of the anti-dumping duties imposed on the imports of the subject goods from the subject country in accordance with section 9A of the Customs Tariff Act 1975 read with Rule 23 of the Rules. They have claimed that the circumstances that were prevalent during the period of investigation of the original investigation have changed significantly leading to a situation where the existing anti-dumping duties are no longer warranted.

4. Whereas, the applicant has submitted that the import prices of the subject goods have increased significantly; that domestic selling prices have also increased significantly and that the cost of major raw material has also decreased. The applicant has further submitted that coupled with a significant increase in import prices leading to an increase in the landed value of imports, the injury margin has come down and as a consequence, a need for reviewing the current level of duties has arisen.

5. Further, in the original investigation, Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd, China PR (Producer/Exporter) was accorded individual duty. Subsequently, an application has been filed by Tsaker Chemical (Dongguang) Co Ltd, China PR informing that the name of Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd, has been changed to Hua Ge Chemical (Dongguang) Co., Ltd., and then to Tasker Chemical (Dongguang) Co Ltd and requested for a change of name in the anti-dumping duty notification from Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd, China PR (Producer/Exporter) to Tsaker Chemical (Dongguang) Co Ltd, China PR (Producer/Exporter). The present midterm review investigation was also initiated to investigate in to the stated request for change of name, subject to the condition that Tsaker Chemical (Dongguang) Co Ltd, China PR (Producer/Exporter) cooperates with the Authority and files questionnaire response along with all required information/documents.

6. And Whereas, Rule 23 of the Rules read with Section 9A of the Act require that the Designated Authority shall review the need for the continued imposition of any anti- dumping duties, wherever warranted, on its own initiative or upon request by any interested party who submits positive information substantiating the need for such review, and a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty and upon such review, the Designated Authority shall recommend to the Central Government for its withdrawal, where it comes to a conclusion that the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur, if the said anti-dumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.

7. Having regard to the information provided by the applicant substantiating the need for such review and indicating changed circumstances necessitating a review of the measure in force, the Designated Authority, vide Notification No. 15/18/2015-DGAD dated 1st October, 2015, initiated the present Mid-term Review (MTR) investigation of the final findings notified vide Notification 14/1/2012-DGAD dated 22th November 2013 published in the Gazette of India, Extraordinary Part I, Section I and the definitive duties imposed by the Central Government vide Notification No., 09/2014 – Customs (ADD) dated 23rd January 2014, to review the need for continued imposition of the anti-dumping duties and the change of name claimed by Tasker Chemical (Dongguang) Co Ltd., China PR.

B. Procedure

8. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i. The Authority sent copies of the initiation notification dated 1st October 2015 to the embassy of the subject country in India, known exporters from the subject country, known importers and other interested parties, and the domestic producers, as per available information. The known exporters were requested to file the questionnaire responses and make their views known in writing within the prescribed time limit. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters were also sent to embassy of the subject country along with a list of known exporters/producers, with a request to advise the exporters/producers from the subject country to respond within the prescribed time.
- ii. Copy of the non-confidential version of the application filed on behalf of the applicant was made available to the known exporters, domestic producers and the embassy of the subject country in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules.
- iii. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating the present MTR to the following known producers/exporters in the subject country, with copy to the embassy of China PR in India, and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules:
 - a) Shanxi Xiangyu Chemical Co. Ltd.
 - b) HeBei HengShui DongGang Chemical Co. Ltd.
 - c) Hebei Hua-Chem Group
 - d) HengShui Jingheng Chemical Products Co. Ltd.

- e) Botou Tianhe Chemical co Ltd.
 - f) Yanshi Dongyuan Chemical Co Ltd.
 - g) Tsaker Chemical (Dongguang) Co Ltd.
- iv. In response to the initiation of the investigation, separate exporters questionnaire responses (EQR) have been filed by Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd, China PR and Tsaker Chemical (Dongguang) Co Ltd, China PR, claiming that the name of Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd was changed to Hua Ge Chemical (Dongguang) Co., Ltd., and then to Tsaker Chemical (Dongguang) Co Ltd. It has been further claimed that during the POI, a major volume of the subject goods actually produced by Tsaker Chemical (Dongguang) Co Ltd., were exported in the name of Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd., to avail the low anti-dumping duty imposed on Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd., in the original investigation.
- v. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Anti-dumping Rules:
- a) Daikaffil Chemicals
 - b) Khyati Chemicals Pvt. Ltd.
 - c) Pranav Chemicals
 - d) Pragna Dye Chem
 - e) Jaysree Chemicals
 - f) J.B.Industries
 - g) Raghunath Dye Chem
 - h) Paramount Minerals & Chemicals Ltd
 - i) Aishwarya Chemicals
 - j) BASF India Ltd
 - k) Hind Prakash International Ltd
 - l) Itachem International
 - m) Anil Organics
 - n) Clariant Chemicals (India) Ltd
 - o) Paramount Minerals
 - p) CAMEX Ltd
 - q) Sanjay Sales Corporation
 - r) Modern Chemicals
 - s) The Dyestuffs Manufacturers Association of India
- vi. In response to the above notification, following importers/users have filed importer questionnaire response and made submissions.
- Eskay Dyestuffs & Organic Chemicals Pvt., Ltd.
- BASF India Limited
- Khyati Chemicals Pvt. Ltd.
- Meghmani Dyes and Intermediates Limited.
- Paramount Minerals and Chemicals Limited
- vii. Questionnaires were also sent to M/s Deepak Nitrite Ltd. (DNL, the domestic industry of the subject goods in the original investigation.
- viii. Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation, have been treated as non-cooperating interested parties.
- ix. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange for details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has, therefore, relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis.
- x. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. The NIP has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure III to the Anti-dumping Rules.
- xi. A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to all the known producers/exporters

and embassy of China PR with a request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment can be granted to cooperative exporters/producers. However, none of the respondent Chinese producers/exporters have claimed market economy treatment.

- xii. The period of investigation for the purpose of the present review is 1st April, 2014 to 31st March, 2015. The injury investigation period will, however, cover the periods 2011-12, 2012-13, 2013-14 and the POI. The Authority also called relevant information/data from the interested parties for post POI for conducting likelihood analysis.
- xiii. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority also provided opportunity to all interested parties to present their views orally in a public hearing held on 19th April, 2016. The parties, which presented their views in the oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- xiv. The submissions made by the interested parties during the course of the investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this finding.
- xv. Verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the domestic industry and the co-operating producers/exporters.
- xvi. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xvii. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts were disclosed by the Authority to the known interested parties vide a disclosure statement issued on 15th September, 2016 and comments received on the same, to the extent considered relevant by the Authority, have been considered in this finding.
- xviii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded the final findings on the basis of available facts.
- xix. ***represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xx. The average exchange rate of 1US\$ = Rs 61.69 prevailing during the POI has been adopted by the Authority in this finding.

C. **PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:**

9. The Product under Consideration (PUC) in the original investigation as well as in the present review is '4,4Diamino Stilbene-2, 2 Disulphonic Acid'(DASDA). It is also known as 2, 2'-(1,2-Ethylenediyl) bis (5-aminobenzenesulfonic acid), 4, 4'-Diaminostilbene-2, 2'-Disulfonic Acid, 2, 2'-ethene-1, 2-diylbis (5-amino benzene sulfonic acid), Amsonic Acid and DSD Acid. DASDA is a light yellow color powder/cream, which is used in synthesis of dye stuffs, like optical brightening agents, fluorescent brightening agents, etc. Subject goods are classified under heading 29215990. The subject goods are also being imported under other tariff headings such as 29214290, 29222190, 29222990, 29309099, etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the investigation.

10. None of the interested parties, including the petitioner, the exporter and the domestic industry, has filed any comment or submission with regard to product under consideration and like articles. The applicant submitted that they have no issues regarding the product under consideration and like article. In view of the above, the Authority notes that the scope of the product under consideration in the present review investigation remains the same as that in the original investigation.

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

11. The Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules reads as follows:-

“domestic industry” means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

12. In the original investigation the application was filed by Deepak Nitrite Ltd., on behalf of the domestic industry. In terms of Rule 2(b) read with Rule 5 (3) of Anti-dumping Rules, the Authority had determined Deepak Nitrite Ltd as domestic industry in the original investigation. In the present MTR investigation, no submission has been made by any interested parties with regard to standing and scope of domestic industry. In view of this position, the Authority determines Deepak Nitrite Ltd as domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and Rule 5 (3) of the Rules supra in the present MTR investigation.

E. Confidentiality

13. The petitioner and other interested parties have submitted that the non-confidential version of the Proforma IV A provided by Deepak Nitrite Ltd (DNL) has not disclosed the volume of captive consumption of DASDA for their Optical Brightening Agents (OBA) production. Even, a trend analysis of the same has not been provided.

14. The domestic industry has made the following submissions with regard to confidentiality:

- i. DNL has disclosed the trend of volume of captive consumption of DASDA in the non-confidential version of the response/submissions.
- ii. The exporter has claimed a major proportion of information as confidential and has not even provided a non confidential summary of the information filed by them. Non-confidential version of their questionnaire response is grossly inadequate. Even information publicly available has not been disclosed by them in their non-confidential version of response. Further the exporter has not filed proper and sufficient non-confidential summary of the information claimed as confidential, so as to enable the respondent to give meaningful comments.
- iii. The responses filed by the producer/exporter are in utter disregard to the standards laid down under the law. Tsaker has tried to evade the responsibility to provide relevant information in the guise of confidentiality.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

15. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows: -

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule(2),(3)(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule(2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

16. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority notes that any information which is available in the public domain cannot be treated as confidential.

F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS**Submissions made by the Petitioner and other interested parties**

17. Following miscellaneous submissions have been made by petitioner and other interested parties:

- i. The economic indicators concerning the subject goods have undergone tremendous changes vis-à-vis the POI of the original investigation. Crucial parameters such as landed price of imports, non-injurious price and injury margin have undergone significant changes justifying MTR investigation and withdrawal of duty.

ii. Purpose of anti-dumping measure is not to facilitate the domestic industries to create a monopoly on prices, but to eliminate the trade-distorting effects of injurious dumping. DNL not only used the ADD to increase their prices but used the same to dictate prices in the downstream OBA sector.

iii. Deepak Nitrite Ltd. (DNL) is using Anti-dumping duties to manage the Optical Brightening Agent (OBA) market and there are no pressures on DASDA produced by DNL per se from imports. The dyestuff manufacturers are now directly competing with DNL in the Optical Brightening Agents (OBA) market which is the downstream product of DASDA.

iv. The continued imposition of measures on imports of the product concerned would have detrimental consequences on the Indian users of the product concerned.

Submissions made By Domestic Industry

18. Following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry:

i. The applicant must come before the Authority with sufficient prima facie evidence that there exists significant change in circumstances and the changes are of lasting nature.

ii. While quality and quantity of evidence might improve as an investigation progresses, the petition must in any case contain duly substantiated relevant claims on all factors relevant for withdrawal of anti-dumping duty including information with regard to “no dumping”, “no likelihood of dumping”, “no injury”, “no likelihood of injury”.

iii. It has been alleged that since the domestic industry have a good standing in the downstream industry and presence in the raw material sector, they have a better standing and are in a position to dictate prices to the prejudice of the consumer. However, if the price undercutting is determined with and without anti dumping duty, it would be seen that the price undercutting with anti dumping duty is negative throughout the period of anti dumping duty imposition. Further, if the price undercutting is determined pre and post the period where the domestic industry is producing downstream product as well, it would be seen that the price difference that had prevailed before the domestic industry commenced commercial production of downstream product and the price difference that is now prevailing after the domestic industry commenced commercial production of downstream product is not materially different. In fact, the price undercutting was earlier higher. This would not be the case had the domestic industry dictated prices to the extent of anti dumping duty in force or if the domestic industry had wished creating disadvantages to the consumers in the downstream product. In fact, if the monthly price undercutting is examined, it would be seen that the price undercutting without anti dumping duty also became significantly negative when the import prices were abnormally higher.

iv. Imposition of anti-dumping duties might affect the price level of the product in India, but fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures.

v. OBA and DASDA are two different products. Domestic industry has not managed OBA or DASDA business in a manner which can cause prejudice to the downstream producers. The facts of the case also establish that the domestic industry has not got any excessive profit in DASDA. The import price of DASDA in the current period is lower than the import price prevailing at the time of original investigations.

vi. The exporter has made submissions in the hearing completely on injury and price parameters and has not made any submission on the name change which was the sole reason of their application.

vii. In view of significant change in the prices, it is vital that the dumping margin, price undercutting and injury margin are examined by undertaking month by month analysis.

EXAMINATION OF THE AUTHORITY

19. Rule 23 of Anti-dumping Rules states as follows:

(1) Any anti-dumping duty imposed under the provision of section 9A of the Act, shall remain in force, so long as and to the extent necessary, to counteract dumping, which is causing injury.

(1A) The Designated Authority shall review the need for the continued imposition of any anti-dumping duty, where warranted, on its own initiative or upon request by any interested party who submits positive information substantiating the need for such review, and a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty and upon such review, the Designated Authority shall recommend to the Central Government for its withdrawal, where it comes to a conclusion that the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur, if the said anti-dumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.

(1B) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1) or (1A), any definitive anti-dumping duty levied under the Act, shall be effective for a period not exceeding five years from the date of its imposition, unless the Designated Authority comes to a conclusion, on a review initiated before that period on its own initiative or upon a duly substantiated request made by or on behalf of the domestic industry, within a reasonable period of time prior to the expiry of that period, that the expiry of the said anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

(2) Any review initiated under sub-rule (1) shall be concluded within a period not exceeding twelve months from the date of initiation of such review.

(3) The provisions of rules 6, 7, 8, 9/10, 11, 16, 17, 18, 19, and 20 shall be mutatis mutandis applicable in the case of review.

20. Article 11.2 of the Anti-dumping Agreement provides that the Authority shall review the need for the continued imposition of the duty, where warranted, on their own initiative or, provided that a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti dumping duty, upon request by any interested party which submits positive information substantiating the need for a review. Interested parties shall have the right to request the authorities to examine whether the continued imposition of the duty is necessary to offset dumping, whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both. If, as a result of the review under this paragraph, the Authority determines that the anti dumping duty is no longer warranted, it shall be terminated immediately.

21. While the petitioner and the other interested parties have argued that the improvement in performance of domestic industry in the POI is of lasting nature and the Authority should decide the fate of the anti-dumping duty on the basis of performance of DI during the POI, the domestic industry has contended that in a mid-term review, current performance alone is insufficient to conclude whether the anti-dumping duty should be withdrawn and that the Authorities is required to consider the likely situation when anti dumping duty is withdrawn.

22. The Authority examined the issues raised by the interested parties and domestic industry and notes that Rule 23 of the Anti-dumping Rules obligates the Authority to review the need for the continued imposition of an anti-dumping duty, *inter alia*, upon request by any interested party who submits positive information substantiating the need for such a review after a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty and upon such review, the Authority shall recommend to the Central Government for its withdrawal, where it comes to the conclusion that the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur if the said anti-dumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.

23. The Authority notes that Rule 23 (1A) of the Anti-dumping Rules mandates the Authority to examine if there is any likelihood for the continuation or recurrence of injury if the said anti-dumping duty is removed or varied and whether the changed circumstances stated are of lasting nature. The objective of a mid-term review investigation is to come to a conclusion whether injury to the domestic industry is not likely to continue or recur, in the event of revocation of the anti-dumping duty. Thus, the performance of the domestic industry during the POI alone is insufficient to conclude whether the anti dumping duty can be withdrawn.

24. As regards the contention that DNL's monopolistic behavior over sales of the subject goods is making the OBA producers uncompetitive, the Authority notes that the objective and purpose of imposing antidumping duty is to prevent unfair trade practices and not to promote monopolization of trade by any interested party. The Authority further notes that Anti-dumping Rules do not require that the a domestic industry must be able to fulfill the demand in the domestic market to the fullest extent for seeking redressal of injury caused to it on account of dumping. Moreover, OBA and DASDA are two different products and the present investigation is in respect of DASDA only. No documents/information has been provided by the interested parties substantiating the claim that DNL has managed OBA or DASDA business in a manner which has caused prejudice to the OBA producers.

25. As regards the contention that continued imposition of measures on imports of the product concerned would have detrimental consequences on the users, the Authority notes that the purpose of imposing anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping. Imposition of anti-dumping duties may affect the price levels of the product in the domestic market, but would not restrict imports of the subject goods from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

G. Determination of Dumping Margin

Market Economy, Normal Value, Export Price and Dumping Margin

Submissions made by the Petitioner and Other Interested Parties

26. The following submissions have been made by Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd:

i. Hua-Ge Holding Group Co. Ltd., China PR (hereinafter referred to as "HG Group") is the 100 percent controller of Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd.,(hereinafter referred to as "Hua-Chem"), the respondent producer/exporter in

the original investigation and holder of individual duty.

- ii. Hua-Chem was a limited liability company established under the Company Law of PRC. It has been cancelled on 24th March, 2015.
 - iii. On 7th May, 2013, HG Group established a new company i.e. Hua-Ge Chemical (Dongguang) Co. Ltd. (hereinafter referred to as Hua-Ge) who subsequently changed its name into Tsaker Chemical (Dongguan) Co. Ltd. (hereinafter referred to as "Tsaker"), with the purpose of substituting Hua-Chem.
 - iv. On 10th Oct. 2013, Hua-Chem and Hua-Ge signed the Asset Reorganization Contract, according to which Hua-Chem's enterprise assets-inventory, fixed assets, all machines, equipment and facilities in the target enterprise, construction in process, prepayment, intangible asset-credits, debts and labor were transferred to Hua-Ge as a whole.
 - v. After that, production lines were completely transferred to Hua-Ge and on 24th March, 2015, Hua-Chem was finally cancelled by HG Group.
 - vi. Hua-Chem was actually the predecessor of the current company Tsaker.
 - vii. From April to November of 2014, during which Hua-Chem had not been finally cancelled, subject goods were produced by Tsaker and exported in the name of Hua-Chem who participated in the original anti-dumping investigation and enjoyed a relatively low anti-dumping duty rate.
 - viii. Starting from November 2014, goods were exported in the name of Tsaker, considering the company's listing affairs and to evade related party transaction.
 - ix. Hua-Chem did not produce subject products during the POI. After Hua-Chem and Hua-Ge signed the Asset Reorganization Contract, it no more had any production lines. For those subject products exported in name of Hua-Chem with the purpose of enjoying its relatively low antidumping duty rate, from April to November of 2014, it was actually produced by Tsaker. So, there was no company supply inputs with Hua-Chem.
27. The following submissions have been made by Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd., (hereinafter referred as Tsaker):
- i. Tsaker was first established on 7th May, 2013 and registered as the name of Hua-Ge Chemical (Dongguang) Co. Ltd.
 - ii. On 13 October, 2014, Hua-Ge changed into its current name of Tsaker Initially, Hua-Chem's 100 percent controller, Hua-Ge Holding Group Co., Ltd. intended to list Hua-Chem in the stock exchange, but considering its complicated evolution, HG Group decided to establish a new company, i.e. Hua-Ge (predecessor of Tsaker) to supersede Hua-Chem.
 - iii. On 10th October 2013, Hua-Chem and Hua-Ge signed the Asset Reorganization Contract, according to which Hua-Chem's enterprise assets-inventory, fixed assets, all machines, equipment and facilities in the target enterprise, construction in process, prepayment, intangible asset-credits debts and labor were transferred to Hua-Ge as a whole. After that, production lines were completely transferred to Hua-Ge and on 24th March, 2015, Hua-Chem was finally cancelled by HG Group in Administration for Industry and Commerce of Cangzhou City.
 - iv. Tsaker is wholly owned by Tsaker Chemical (Cangzhou) Co., Ltd.
 - v. Tsaker is currently the only factory involved in production of the subject goods.
 - vi. From April to November of 2014, during which Hua-Chem had not been finally cancelled, subject goods were produced by Tsaker and exported in the name of Hua-Chem who participated the original antidumping investigation and enjoyed a relatively low anti dumping duty rate. Starting from November 2014, goods were exported in the name of Tsaker, considering the company's listing affairs and to evade related party transaction.
 - vii. The Company-Hua-Ge Chemical (Dongguang) Co. Ltd. was established on 26th May, 2013 to inherit Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd., Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd., participated as an exporter in the original investigation. Hua-Ge changed its name into Tsaker Chemical (Dongguang) Co., Ltd. Hua Ge had exported the subject goods to India till its name changed to Tsaker.
 - viii. In case the Authority considers to continue with the Anti-dumping Duty on the subject material from China PR, separate rate of duty may be accorded to Tasker Chemical (Dongguang) Co Ltd, China PR.

Submissions made by the domestic industry

28. The submissions made by the domestic industry are as follows:

- i. The claimed change in the concerned Chinese companies is not a mere change of name.
- ii. It has been admitted that to enjoy 'low anti dumping duty rate' the products were exported in the name of Hua Chem from April to November 2014 when actually produced by Tsaker. It clearly amounts to evading the duty.
- iii. Tsaker Chemical (Dongying) Co. Ltd is also a production base for DASDA owned by Tsaker Chemical (Cangzhou) Co. Ltd. However that has not been declared in the exporter's questionnaire response.

Examination by the Authority

29. As regards the claimed change of name from Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co., Ltd., to Hua-Ge Chemical (Dongguang) Co. Ltd., and then to Tasker Chemical (Dongguang) Co Ltd, the Authority has verified the data/information of the concerned exporters and from the copy of the Global Offering of Tsaker Chemical Group Ltd., prepared by Frost & Sullivan, noted the following:

- i. The Company is the leading producer of DASDA in the world. It accounts for 57.4% of World market share for DASDA by production volume in 2014.
- ii. It is also the leading producer of many other dyes and chemical intermediates in the world.
- iii. The Company's major owned production facilities are located in Dongguang, Hebei Province and the leased Dongao production plant located in Dongying in Shandong Province.
- iv. Another production plant is also being set up in Dongying in Shandong Province, primarily for production of DSD Acid and other dye and pigment intermediates.
- v. Company's planned production capacity of DASDA as of 2015 end is 55000 MT.
- vi. As of end of December, 2014, the designed production capacity of the Company for DSD acid is 35, 000 MT and actual production volume by the said date is 30, 001 MT.
- vii. Global DSD Acid demand by the end of 2014 is 52, 300 MT.
- viii. The operation history of Tsaker Group can be traced back to the establishment of Huage Dye by Huayu Chemical plant (which was established in May, 1995 as a wholly state owned enterprise) in December, 1997. Huage Dye has been principally engaging in the production and sale of DSD Acid.
- ix. The operating assets of Huage Dye were acquired by Tsaker Donguang in September, 2013.
- x. Tsaker Cangzhou was established in September, 2005 by Huage fine Chemicals.
- xi. On 7th May, 2013, Tsaker Donguang was established in China with a registered capital of RMB 50 Million to acquire certain operating assets of Huage Dye and to engage in the production and sale of DSD Acid and other dye intermediates.
- xii. On September 30, 2013, Tsaker Donguang and Huage Dye entered in to an Asset Restructuring Agreement (which was supplemented by a supplemental agreement dated October 10, 2013) pursuant to which Tsaker Donguang acquired the operating assets owned by Huage Dye used for production (including, among others, fixed assets, raw materials, work-in-progress, construction-in-progress, land use rights, trade payables, and advance to suppliers) for a cash consideration of approximately RMB 124.71 Million, which was legally and properly settled on December 25, 2013.
- xiii. On May 20, 2014, Tsaker Dongying was established in the PRC with a registered capital of RMB 30 Million to focus on the production and sale of DSD Acid, PNT, ONT, MNE and NMP.

30. The above stated details noted from the Group Company's Global Offering evidences that Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd is not merely a new name for Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd., or Hua-Ge Chemical (Dongguang) Co. Ltd. It is a new Company which was established to take over the assets of Hua-Ge Chemical (Dongguang) Co. Ltd.

31. The above details also defy the claims made by the Company regarding their capacity of production (claimed capacity of Tsaker is 15, 000 MT) and number of plants for the subject goods. The above details noted from the Global offerings of the Group company evidences that it has much more actual production and capacity of production than what they claimed, which further indicates that apart from Dongguang plant, they have other production centres for production of DASDA. It also proves that contrary to their claims, Tsaker Dongying is also involved in the production and sale of DASDA.

32. The verification report was shared with the concerned exporter. The following comments were made by the concerned exporter:

- i. Since change of Hua Ge to Tsaker was only a name change, the establishment date of Tsaker is still regarded as 7th May, 2013, same with Hua-Ge.

- ii. There was infact an equity transfer contract between Hua-Ge Cangzhou and Tsaker Cangzhou.
- iii. Company did not report the 15000 MT production capacity for DASDA. The company's production capacity is 35000 MT.
- iv. Tsaker group only has one DASDA plant currently. Dongying plant is yet to be established.

33. The Authority notes that during the verification it was informed by the Company that Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd was established on 7th May, 2013 and on 13 October, 2014, Hua-Ge Chemical (Dongguang) Co. Ltd., changed its name as Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd. But, both these statements are contradictory. If Tsaker Company was floated on 7th May, 2013, then how Hua Ge can change its name to Tsaker, which was established much before. Now, in their comments on verification report, the exporter has continued their stand that the change of Hua Ge in to Tsaker was only a name change and the establishment date of Tsaker is still regarded as 7th May, 2013. But, actually, as per the Global Offering report of Tsaker, The operating assets of Huage Ge were acquired by Tsaker Donguang in September, 2013 through an Asset Restructuring Agreement. This proves that the assets of Hua Ge were taken over by Tsaker involving a structural change or change of ownership and not merely a nomenclature change. Further, as per the capacity document furnished by Tsaker, its Donguang plant's current production capacity has been shown as 15000 MT. This contradicts their present claim that Donguang plant's current production capacity is 35, 000 MT. This is perhaps being done by the Company to prove that they have no other plant for DASDA other than the Donguang plant. But, their own Global Offering paper clearly states that on May 20, 2014, Tsaker Dongying was established in the PRC with a registered capital of RMB 30 Million to focus on the production and sale of DSD Acid. In view of the above, the Authority does not accept the claimed change of name from Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd., to Hua-Ge Chemical (Dongguang) Co. Ltd., and then to Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd.

34. From the submissions made by the concerned exporters and their records, the Authority further notes that during the POI, Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd., the holder of individual duty in the original investigation ceased to exist as the Company along with its assets were taken over initially by Hua-Ge Chemical (Dongguang) Co. Ltd., and then by Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd. But, as stated by Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd, during April to November of 2014, the subject products, actually produced by Tsaker were exported in the name of Hua-Chem with the purpose of enjoying its relatively low anti-dumping duty rate. The Authority notes that such action by the Company, amounts to evasion of duty.

35. In view of the above position, the Authority does not accept the export transactions made to India during the POI in the name of Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd., as eligible exports by Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd for calculation of their export price and determination of the margins. Instead, for the purpose of calculation of export price and determination of margins in respect of Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd, China PR, the Authority accepts only those transactions which have been made by the said company in their own name during the POI.

Examination of Market Economy Claims

36. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non-market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise producers/exporters in their country to provide the required information.

37. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporter/producer of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- i. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- ii. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- iii. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and

iv. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

38. In the original investigation, Hebei Hua-Chem Dye Chemical Co. Ltd did not claim market economy treatment. In the present MTR investigation also, the respondent Chinese producers/exporters have not claimed market economy treatment. In view of the above position and in absence of rebuttal of non-market economy presumption by the respondent Chinese companies, the Authority considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value.

H. Determination of Normal value

39. Para 7 of Annexure I of the AD Rules provides that:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.”

40. Accordingly, the ex-works Normal Value of the product under consideration for all exporters from China PR has been constructed by taking into account the international price of the major raw materials and the consumption norms, conversion cost and SGA expenses of the domestic industry. After adding a reasonable profit margin of 5%, the Authority has constructed the normal value for all producers/exporters of China PR as US\$ ***/MT.

I. EXPORT PRICE

Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd., China PR

41. The Authority notes that during the POI, Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd, China PR exported ***/MT of subject goods for the gross invoice value of US\$ ***. After making the adjustments on account of Commission, Ocean Freight, Inland Freight and Cargo Handling Charges, Overseas Insurance, Credit Cost, Bank Charges and VAT refund, the Authority determined the net export price as US\$ ***/MT.

Determination of Export Price for other Producers/Exporters from China PR

42. The Authority has determined the net export price in respect of other producers/exporters of China PR as US\$ ***/MT, based on the prices of the cooperative exporter from China, on facts available basis, in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules.

J. DUMPING MARGIN

43. Considering the Normal values and net export prices as determined above, the dumping margins during the POI has been determined as below:

Sl. No.	Exporter/ Producer	Normal Value - US\$/MT	Export price - US\$/MT	Dumping Margin - US\$/MT	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
1	Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd.	***	***	***	***	20-30
2	All Other Producers/ Exporters	***	***	***	***	50-60

K. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

Submissions made by the Petitioner and other Interested Parties

44. The following submissions have been made by the petitioner and other interested parties:

- The economic indicators concerning the subject goods have undergone tremendous changes vis-à-vis the POI of the original investigation and the time of publication of final findings.
- Key economic parameters of domestic producers show significant improvement that is considerably lasting in nature. The performance of the domestic industry has tremendously improved over the years and there are no signs of any kind of reversal.

- iii. The price of Para Nitro Toulene (PNT), one of the major raw materials, has significantly declined in present POI as compared to original POI.
- iv. Import prices of subject goods have increased significantly from subject country during the POI of this MTR in comparison to the POI of original investigation. The change in import prices has been very significant and material which substantiates the need for withdrawal of existing duties.
- v. There is significant increase in domestic prices of subject goods supplied by the domestic industry during the present POI as well and the DI has increased its NSR beyond reasonable levels when the core raw material prices have declined.
- vi. Selling price of the domestic industry is significantly higher than non-injurious Price. Therefore, there is no likelihood of continuation or recurrence of injury to the domestic industry.
- vii. Further, the landed price of imports of subject goods from subject country is above non-injurious price in the POI as well as post POI (April 2015 to September 2015) resulting in negative injury margin. Thus, the current imports are not causing any injury to the domestic industry.
- viii. Once it is established that the injury margin in respect of imports of subject goods from subject country is negative, it is entirely immaterial whether the dumping margin is positive or negative. There is no justification for continuation of anti-dumping duty in case the injury margin is negative.
- ix. Profitability of the domestic industry should be examined after excluding captive transfers of DASDA for production of OBA.
- x. Contrary to the clam of DNL about the dip in DASDA price to historically low levels, the real dip was in raw material price and not in the price of DASDA. Even the argument of DNL qua the Indian Rupee depreciation is baseless. The importers pay the duty in Indian rupee and the appreciation of US\$ has increased the duty burden of importers since the AD duty is imposed in terms of US\$ per KG. The DI is in fact getting the additional benefit of rupee depreciation which itself is a good cause to review the duty in force.
- xi. The price undercutting has been negative in the POI. Also, the landed price of imports have been higher than the NIP of the DI and any positive price undercutting could only be result of huge increases of price by DI which has no justification in view of the existing anti- dumping duties. Also, there is neither any price suppression nor depression on domestic prices on account of imports of subject goods from China PR. Such being the case, the present duties should be revoked forth with.
- xii. The market share of imports between POI and immediate previous year declined by some 9% whereas share of DI in the same period increased by about 9%, thus, there haven't been any adverse impact of volume on the DI. It may also be noted that the landed price of such imports are even higher than the estimated NIP of the DI, negating any price effect.

SUBMISSIONS MADE BY THE DOMESTIC INDUSTRY

45. The following submissions have been made by the domestic industry:

- i. There was a short lived sharp increase in the prices of DASDA around Aug.-Sept., 2014. After peaking in Nov., 2014, the prices had already declined by the month of March, 2015. Import price in the present period has declined to Rs.***, despite sharp devaluation of INR. Therefore it is clear that presently the situation is worse than the POI.
- ii. Aberrational price for brief period cannot become ground for premature withdrawal of anti dumping duty. The import price of DASDA increased quite significantly for a very brief period. The import price in US Dollar is now in fact materially lower than the import price that had prevailed at the time of investigation period of the original case. The anti dumping duty should not be withdrawn at a premature stage only because of aberrational pricing in few months.
- iii. The allegation that the PNT cost has declined by 18% in the present POI vis-a-vis the original POI but the DI has not reduced their selling price is not correct. The fact remains that the increase in selling price in the period Aug.-Nov., 2014 was far higher than increase in cost of production, whereas the decline in selling price after Nov., 2014 was far higher than the decline in cost of production.
- iv. PNT is largely captively produced by the domestic industry and therefore the trends in the import price of PNT are entirely irrelevant for the present purposes. In fact, as the DASDA dumping once again intensified after Dec., 2014, the Chinese producers started dumping PNT as well. Since PNT is largely a captive production for the domestic industry, the Designated Authority is required to consider the costs on the basis of PNT cost of production of the domestic industry.
- v. The prices have evidently remained below the cost of imported product. Some increase in prices of the respondents should be seen in consonance with the increase in the import prices. In fact, if the monthly price undercutting is examined, it would be seen that the price undercutting without anti dumping duty also became significantly negative when the import prices were abnormally higher.

- vi. Contrary to the claims of petitioner, it will be seen that profits had declined in 2013-14, and thereafter increased in 2014-15, which has thereafter declined again in the post POI period. The return on investments has shown a similar trend. The cash profits had increased till the POI and thereafter declined in the post POI period. So significant was the decline in the import price after the POI that despite the fact that the domestic industry did not reduce the prices to the same extent as that of imports and yet the domestic industry suffered financial losses. Further, so significant was the decline in the profitability that the cash profits and ROI became negative after the POI.
- vii. While the landed price of import was above NIP if both are compared on weighted average basis, if month by month analysis is undertaken, it would be seen that the injury margin was positive towards beginning of the POI and became negative thereafter during September 2014 to February 2015 period. The injury margin was once again positive in March 2015 and thereafter. In entire post POI, the injury margin was positive.
- viii. If performance of domestic industry is examined by considering weighted averages, it shall show improvement. If performance of the domestic industry is examined within POI by undertaking month by month analysis, it would be seen that the performance of the domestic industry improved during period June 2014- December 2014 and declined thereafter.
- ix. While on weighted average basis, selling price of the domestic industry might be higher than NIP, if the selling price and NIP are compared on month by month basis, it would be seen that the selling price was below NIP in the beginning of the POI and therefore the change in circumstance alleged by the petitioner was highly temporary in nature and were not of lasting nature. In fact, the circumstances have shown material change after four months aberrational period to such an extent that domestic industry is already suffering financial losses to such a significant extent that the cash profit and return on investment are also negative.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

46. The Authority has taken note of the arguments and counter-arguments of the interested parties on injury. The injury analysis made by the Authority based on the non-injurious price determined on month to month basis *ipso facto* addresses the various submissions made by the interested parties. However, the specific submissions made by the interested parties are addressed by the Authority as below.

46. As regards the submission that profitability should be examined after excluding captive transfers of DASDA for OBA, the Authority notes that the profitability of the domestic industry has been determined after excluding the captive transfer of DASDA for OBA production.

47. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the *consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

48. As regards the impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of Anti-dumping Rules states as follows: “The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”

L. Volume Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

(a) Demand and Market Share

49. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum total of domestic sales of the domestic industry, estimated sales of other domestic producers as given by the petitioner and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below:

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI	Annualised Post POI
Demand in India							
Domestic Industry Sales including captive consumption	MT	1,793	2,103	2,903	3,567	2,225	4,449
Other Indian Producer Sales	MT	550	550	550	550	275	550
Imports from China (Subject Country)	MT	2,769	4,397	5,182	3,998	2,469	4,939
Imports from other countries	MT	338	-	-	7	-	-
Total Demand	MT	5,450	7,050	8,636	8,122	4,969	9,938
Market Share In Demand							
Domestic Industry Sales	%	32.90	29.83	33.62	43.92	44.77	44.77
Other Indian Producer Sales	%	10.09	7.80	6.37	6.77	5.53	5.53
Imports- Subject Country	%	50.80	62.37	60.01	49.23	49.70	49.70
Imports- Other Countries	%	6.21	-	-	0.08	-	-

The aforesaid information shows that the demand of the subject goods in the domestic market has consistently increased up to 2013-14 and then declined marginally during the POI, but further increased during Post POI. While the share of the domestic industry in demand has gone up during the POI and Post POI as compared to the base year, that of the subject country has remained more or less at the same level.

Import volumes and market share

50. The Authority has relied upon the import information obtained from DGCI&S for the purpose of this final finding. Import volume from subject country and other countries and the dumped imports from subject country in relation to production and sale of the domestic industry, has been as under:-

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI	Annualized Post POI
Import Volume							
China PR- Subject Country	MT	2,769	4,397	5,182	3,998	2,469	4,939
Other Countries	MT	338	-	-	7	-	-
Total Imports	MT	3,107	4,397	5,182	4,004	2,469	4,939
Market Share In imports							
China PR- Subject Country	%	89.11	100.00	100.00	99.84	100.00	100.00
Other Countries	%	10.89	-	-	0.16	-	-
Share of China Imports in relation to							
Total imports in India	%	89.11	100.00	100.00	99.84	100.00	100.00
Demand in India	%	50.80	62.37	60.01	49.23	49.70	49.70
Production	%	44.08	75.20	84.86	61.08	69.27	69.27
Domestic Sales	%	154.42	209.12	178.48	112.07	111.01	111.01

The aforesaid information shows that the imports from China PR almost remain the sole source for India. The imports from China have declined during the POI, but further increased during Post POI and it commands a significant share in the domestic demand.

M. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

51. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact on the prices of the

domestic industry on account of the dumped imports from the subject country has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis the cost of production, Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject country.

Price suppression and depression effects of the dumped imports:

52. The price suppression and price depression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production, net sales realization and the landed values of the subject goods from the subject country in relation to injury period.

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI
Cost of Sales	Rs/Mt	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>99</i>	<i>107</i>	<i>108</i>	<i>95</i>
Selling price	Rs/Mt	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>112</i>	<i>129</i>	<i>104</i>
Landed Value	Rs/Mt	196,529	216,605	233,946	276,328	212,239
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>110</i>	<i>119</i>	<i>141</i>	<i>108</i>

From the above information, the Authority notes that there is consistent increase in the cost of sales of the domestic industry since 2012-13 upto POI but declined during Post POI. Similar is the trend in the selling price of the domestic industry. During the POI the proportion of increase in selling price is more than the proportion of increase in the cost of sales, but during the Post POI, the proportion of decline in selling price is more than the proportion of decline in the cost of sales. Thus, in the Post POI there is price suppression.

Price undercutting and Price underselling effects

Price Undercutting

53. While working out the net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been deducted.

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI
Landed Value	Rs/Mt	196,529	216,605	233,946	276,328	212,239
Net Selling Price	Rs/Mt	***	***	***	***	***
Price Undercutting without ADD	Rs/Mt	***	***	(***)	(***)	(***)
Price Undercutting without ADD %	%	***	***	(***)	(***)	(***)
Price Undercutting without ADD %	Range %	0-10	0-10	Negative	Negative	Negative

From the aforesaid information, the Authority notes that the price undercutting effect of dumped imports from the subject country on the domestic price during POI and Post POI without ADD is negative.

Price Underselling

54. For the purpose of price underselling the landed prices of the imports from subject country based on DGCIS data have been compared with the Non-injurious price of the domestic industry. It shows that the underselling effect is negative during the POI.

Particular	Units	POI
Non Injurious Price	Rs/Mt	***
Landed Value	Rs/Mt	2,76,328
Price underselling	Rs/Mt	(***)
Price underselling %	%	(***)
Price underselling % (Range)	Range %	Negative

N. Examination of other Economic Parameters of Domestic Industry**Sales volumes, Production, Capacity and Capacity Utilization**

55. The Sales, Production, Capacity and Capacity Utilization details are as follows:

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI	Annualised Post POI
Installed capacity - Plant	MT	6,600	6,600	6,600	6,600	3,300	6,600
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>	<i>100</i>
Production - Plant	MT	6,502	5,921	6,324	6,687	3,630	7,261
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>91</i>	<i>97</i>	<i>103</i>	<i>112</i>	<i>112</i>
Capacity Utilization - Plant	%	98.52	89.72	95.81	101.31	110.01	110.01
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>91</i>	<i>97</i>	<i>103</i>	<i>112</i>	<i>112</i>
Production - PUC	MT	6,280	5,847	6,107	6,545	3,565	7,129
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>93</i>	<i>97</i>	<i>104</i>	<i>114</i>	<i>114</i>
Domestic Sales Excluding Captive-PUC	MT	1,793	2,083	2,801	2,769	1,775	3,549
<i>Trends</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>116</i>	<i>156</i>	<i>154</i>	<i>198</i>	<i>198</i>
Captive Consumption	MT	-	20	102	798	450	900
<i>Trends</i>	<i>Indexed</i>	<i>-</i>	<i>100</i>	<i>5,03</i>	<i>3,935</i>	<i>4,434</i>	<i>4,434</i>

It is noted that while capacity of Production has remained constant, production, capacity utilization and sales have increased during POI and Post POI.

Inventories:

56. Data relating to inventories shows as follows:

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI
Opening Stock	MT	***	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***	***
Average stock	MT	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>120</i>	<i>37</i>	<i>49</i>	<i>65</i>

From the aforesaid information, the Authority notes that the average inventories have declined during the POI as compared to the base year, but increased during Post POI. Moreover, the average inventory remains significant throughout the injury period.

Profits and actual and potential effects on the cash flow

57. The Profits and actual and potential effects on the cash flow are as follows. With regard to Profit/Loss and cash flow, it is observed that the profitability of domestic industry in terms of profit before tax and interest and cash profit has increased in the POI as compared to base year. During the Post POI as compared to the POI, all the above stated parameters show declining trend.

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI	Annualised Post POI
Cost of Sales	Rs/Mt	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>99</i>	<i>107</i>	<i>108</i>	<i>95</i>	<i>95</i>
Selling Price	Rs/Mt	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>107</i>	<i>112</i>	<i>129</i>	<i>104</i>	<i>104</i>
Profit/loss	Rs/Mt	(***)	***	(***)	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>46</i>	<i>(12)</i>	<i>300</i>	<i>72</i>	<i>72</i>
Profit/loss	Rs. Lacs	(***)	***	(***)	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>53</i>	<i>(18)</i>	<i>463</i>	<i>142</i>	<i>142</i>
PBIT	Rs. Lacs	(***)	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>89</i>	<i>50</i>	<i>660</i>	<i>264</i>	<i>264</i>
Cash Profit	Rs. Lacs	(***)	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>137</i>	<i>77</i>	<i>907</i>	<i>322</i>	<i>322</i>
ROCE	%	- ***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>(100)</i>	<i>98</i>	<i>37</i>	<i>455</i>	<i>170</i>	<i>170</i>

Employment, and Wages

58. The data relating to employment and wages show as follows:

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI	Annualised Post POI
Employment	Nos	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>101</i>	<i>102</i>	<i>101</i>	<i>104</i>	<i>104</i>
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>87</i>	<i>101</i>	<i>105</i>	<i>107</i>	<i>107</i>

It is seen that employment position has remained more or less at the same level throughout injury period including POI and Post POI, whereas wages have increased during the POI and Post POI as compared to the base year.

Productivity

59. The data relating to productivity show as follows:

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI
Productivity per employee	MT/Nos.	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>93</i>	<i>95</i>	<i>91</i>	<i>96</i>
Productivity per day	MT/day	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>93</i>	<i>97</i>	<i>92</i>	<i>100</i>

Authority notes that productivity per day of the domestic industry during POI has decline as compared to base year but increased during Post POI.

Magnitude of dumping

60. It is observed from the section pertaining to Dumping Margin above that dumping margin in respect of the imports of the subject goods from the subject country is positive in the POI.

Growth

61. It is noted that the domestic industry showed growth in terms of almost all the price parameters till the POI, but during the Post POI the same parameters show negative growth.

Growth	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI
Production	%	-	(6.90)	4.44	7.17	8.93
Sales	%	-	16.16	34.52	(1.16)	28.19
Selling Price	%	-	6.62	5.31	15.24	(19.99)
Cost of Production	%	-	(1.01)	8.33	0.61	(12.18)
Profit/Loss	%	-	145.51	125.46	2,686.20	(76.07)

Ability to raise funds:

62. It is noted that the domestic industry has not enhanced its capacity of production.

O. Magnitude of Injury and Injury Margin

63. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin. The injury determined by the Authority is positive on month to month basis during the POI. The injury margin thus determined for the POI is as under:

Sl. No.	Producer/exporter	NIP of DI (US\$/ MT)	Landed price (US\$/ MT)	Injury margin (US\$/ MT)	Injury margin %	Injury margin Range %
1	Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd.	***	***	***	***	0-10
2	All Other Producers/ Exporters	***	***	***	***	10-20

Conclusion on material injury

64. It is noted that during the POI, as compared to the base year, the performance of the domestic industry has improved in terms of production, sales volumes, market share, capacity utilisation, profit, cash profit and return on capital employed. This improvement is obvious, since the base year of the present MTR investigation constitutes a major part of the POI of the original investigation, in which the injury caused by the dumped imports of subject goods from the subject country was established by the Authority and imposition of the anti-dumping duty was recommended. The improvement demonstrated in the performance of the domestic industry after the POI of the original investigation was obviously the result of the anti-dumping duty imposed by the Central Government. However, despite the anti-dumping duty in force, the dumping margin and injury margin are found to be positive in the POI of the present MTR investigation, thereby signifying that the dumping and injury may intensify if the anti-dumping duty is revoked.

P. Other Known Factors & Causal Link

65. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression and depression effects, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry, as follows:-

(a) Volume and prices of imports from third countries

66. The Authority notes that during POI, import of the subject goods from subject country is the sole source of imports. Therefore, the imports from other countries cannot be considered to have caused injury to the domestic industry.

(b) Contraction of demand and changes in the pattern of consumption

67. The Authority notes that there is no contraction in the demand during injury period except a slight fall during the POI as compared to the immediate preceding year.

(c) Developments in technology:

68. The Authority notes that none of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in technology that could have caused injury to the domestic industry.

(d) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

69. The Authority notes that the subject goods are freely importable. The domestic industry is the major producer of the subject goods. Domestically produced subject goods are competing with that imported from subject country at dumped prices.

(e) Export performance of the domestic industry:

70. The table below summarizes the performance of the domestic industry in respect of exports made by them:

Particular	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	POI	Post POI	Annualised Post POI
Exports Sales	MT	***	***	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>88</i>	<i>73</i>	<i>68</i>	<i>61</i>	<i>61</i>

The Authority notes that the export volumes of the domestic industry have declined. However, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of present injury assessment.

(f) Productivity of the Domestic Industry

71. Productivity of the domestic industry increased consistently.

Q. Likelihood of continuation or recurrence of injury

Submissions made by the petitioner and other interested parties

72. Following submissions have been made by the petitioner and other interested parties:

- i. Likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury' is a matter of examination of an investigation under Rule 23 (1B) i.e. sunset review and not a subject matter of an MTR. The moot point in an MTR is the satisfaction of the point that the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur, if the said anti-dumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.
- ii. There is no continued injury to the domestic industry. Domestic industry is getting undue benefit of AD duties in force. Therefore, the duty should be revoked.
- iii. As the injury to the domestic industry is not likely to continue or recur, if the said anti-dumping duty is removed or varied and is therefore no longer warranted.

Submissions made by the Domestic Industry

73. Following submissions have been made by Domestic industry:

- i. In a midterm review investigation, the Designated Authority is required to consider the likely situation when an anti-dumping duty is withdrawn. Current performance alone is insufficient to conclude whether the anti-dumping duty can be withdrawn.
- ii. Absence of continued injury does not imply absence of likelihood of recurrence of injury in the event of withdrawal of anti dumping duties. The anti dumping law mandates that the Authority is compulsorily required to examine if there is any likelihood for the continuation or recurrence of injury if the said anti-dumping duty is removed or varied and whether the changed circumstances stated are of lasting nature.
- iii. The language of the rules concerning sunset review and midterm review has been deliberately kept different so as to emphasize more on the cautiousness of establishing the need for withdrawal. The emphasis on word "not" likely in Rule 23 (1A) of AD Rules, signifies a higher and stringent obligation while examining premature withdrawal of anti dumping duty.
- iv. The Designated Authority is required to consider and determine whether anti dumping duty is required to be extended further in a sunset review, while in a Mid Term Review, the Designated Authority is required to consider and determine whether there is sufficient justification for withdrawal of anti dumping duty at premature stage. Extension of duty is substantially different from withdrawal of duty, the parameters and obligations in Mid Term

Review are quite different from parameters and obligations at the time of Sunset Review. The petitioner has practically provided no information to establish “need for withdrawal” of the duty.

- v. Even, for modification of anti dumping duty, the applicants have to establish that changes in circumstances are of lasting nature. Perusal of the petition makes it evident that petition does not even deal with likely dumping and injury. Domestic industry submits that this information and claim is grossly insufficient for withdrawal of the anti dumping duty at such a stage. The petitioner must establish that there is no justification for continued imposition of anti dumping duty.
- vi. Since the requirement at the stage of Midterm Review is “no likelihood of injury” in the event of withdrawal of anti-dumping duty, mere argument relating to improvement in performance of the domestic industry alone is insufficient ground for withdrawal of anti-dumping duty. If the petitioner has argued no injury to the domestic industry, the petitioner is required to thereafter establish that the injury to the domestic industry is unlikely in the event of withdrawal of anti-dumping duty.
- vii. The whole purpose of imposition of Anti-dumping duty is to prevent dumping of the product and injury to the domestic industry. Therefore, no injury to the domestic industry and no dumping of the product is the normal consequence after imposition of Anti-dumping duty. When the objective of imposition of duty is to eliminate dumping and injury, lack of dumping or injury in review period, therefore, cannot become grounds for withdrawal of duty. This is one of the reasons that the Rule 23 (1A) mandates Authority to examine the effect of the revocation of duty on domestic industry instead of merely focusing on the present situation of domestic industry. The petitioner must establish that there is no justification for continued imposition of anti dumping duty.
- viii. In a midterm review investigation, it is insufficient for the exporter to establish that the product was not being dumped in the present review period. The exporter is required to establish that there was no dumping and there was no likelihood of dumping of the product in the event of modification or withdrawn of anti dumping duties.
- ix. Similarly, mere non-existence of injury to the domestic industry is grossly insufficient. The exporter is required to establish that there is no likelihood of injury in the event of modification or withdrawn of anti dumping duties.
- x. The Designated Authority recommended anti dumping duty ranging from US\$ 270/MT to US\$ 460/MT. The domestic industry, however, never added the full quantum of anti dumping duty in their prices. In fact, on its part, the domestic industry has charged reasonable price for the product and has not changed its price in tandem with import price. However, should the present anti dumping duty be revoked at a premature stage, the domestic industry is likely to suffer heavily, as the consumers are unlikely to pay a reasonable price to the domestic industry.
- xi. The domestic industry submits comparison of cost of production and selling price shows that cost of production has remained at the same level when compared with base year while the selling price of the domestic industry has remained above the levels reflected in the base year. Therefore, it would appear that imports did not cause any price suppression or depression effect. However, withdrawal of anti dumping duty is likely to suppress the domestic industry prices. This gets established by the facts within the POI itself. On a closer month by month analysis of the data within the POI shows that within the period of investigation, there was a steep decline in the selling price without a proportionate decline in cost.
- xii. The sole exporter, i.e., Tsaker Chemical Group Ltd who participated in the original investigation has very high export orientation. According to the industry report of Frost Sullivan (the ‘Industry Report’), the Group was the largest DSD Acid producer in the world, accounting for 57.4% of the world’s market share in 2014. By maintaining the gross profit margin of DSD Acid and other dye intermediates at a reasonable level with a slight increase, the Group took the initiative in reducing prices to further expand the Group’s influence in the market. The Group has started to produce new products such as PNT, ONT, MNT and OT since February, 2015. The production of PNT is aimed at achieving the strategic objective of maintaining a stable raw material supply for its key product, which is DSD Acid.
- xiii. The above clearly reflects that the exporter is self sufficient and is willing to reduce prices in order to gain hold and maintain its impressive share in the world market as the largest producer of DSD Acid i.e. the product under consideration. Hence, the dumping and injury is likely to recur at aggravated level in case the existing anti-dumping duties are revoked at this stage. Further there are other producers/manufacturers who have a high export percentage and whose operations are spread globally. This indicates a clear likelihood of enhanced dumping of the product under consideration in India and consequent injury to the domestic industry in the event of revocation of existing duties.
- xiv. There is indication of expansion of capacities for DASDA in the Tsaker Chemical Group Ltd’s Interim Report 2015. In its relevant part it provides as follows:

We are also preparing to construct a new production plant in Dongying, Shandong Province. Our planned designed annual production capacities, as of the end of 2015, for DSD Acid, DMSS and mononitrotoluene are estimated to be approximately 55,000 tonnes, 4,500 tonnes, and 80,000 tonnes, respectively, upon us leasing certain additional assets to complete the capacity expansion of our Dongao Production Plant.

- xv. The above clearly indicates excess capacities, especially in the view of the fact that the demand in Indian is to the tune of 4000-7500 MT only. The capacity with producers in China are far beyond the demand in India, they can easily eat up the entire domestic demand. Therefore, in view of huge capacities and high export orientation, in any event of revocation of anti dumping duty, the volume of imports is bound to increase further

Examination by the Authority

74. Rule 23 of Anti-dumping Rules requires the Authority to examine the need for continued imposition of the duty from time to time. In a midterm review, the Authority has to determine whether the subject goods are continuing to enter the Indian market, from the subject country, at dumped prices, causing injury to the domestic industry or are likely to be exported at dumped prices from the subject country, indicating likelihood of recurrence of injury to the domestic industry, in the event of withdrawal of the anti-dumping duty. Thus, in a midterm review, likelihood analysis of dumping and injury becomes a necessity when the dumping margin and injury margin are determined as negative during the POI of the investigation. The objective of imposition of the anti-dumping measures is to arrest the injurious effect of dumping of the subject goods. Thus, an effective anti-dumping measure would obviously arrest the injurious effect of dumping. But, in the present case, despite imposition of the anti-dumping duty, the dumping of subject goods from the subject country has continued unabated, causing injury to the domestic industry. This is evidenced by the positive dumping margin and injury margin determined by the Authority. Thus, the present case being a case of continued dumping and injury, the Authority notes that any analysis to establish likelihood of dumping and injury, in a situation of absence of the anti-dumping duty, is not called for. Nevertheless, the Authority has caused the following analysis to establish the likelihood of continuation/intensification of dumping and injury:

Volume of Exports: Post- POI

75. In order to examine, the likelihood of injury to the domestic industry due to dumping of the subject goods from the subject country, the Authority has undertaken analysis of the volume of exports of the subject goods to India during the post-POI period as well. The Authority notes that the volume of the exports from subject country to India during the post POI on the basis of DGCI&S data was 2469 MT (Annualized 4939 MT), showing 24% growth. This trend indicates that there is significant rate of increase of imports into India during post POI despite the ADD in force.

Market share of Subject Country in the Indian market

76. The Authority notes that the market share of the subject country during the POI & Post POI has remained at the same level as that of the base year despite the ADD in force. Moreover, the market share of the subject country has remained significant.

Attractiveness of Indian market

77. The positive dumping margin and injury margin during the POI and increasing imports of subject goods from the subject country with significant market share being held by the subject country's goods in the Indian market indicate attractiveness of Indian market for the Chinese exporters.

Export orientation of foreign producers

78. The export orientation of Chinese exporters, especially in chemicals, is well known. In the Global Offering report of the respondent cooperative exporter it has been stated that this Company has a target of production capacity of 55,000 MT by the end of 2015. Presently they are catering to more than 55% of the global demand. Apart from this exporter, available data shows that there are other Chinese exporters as well. Considering the meager demand in India (approximately 8100 MT), if the anti-dumping duties are revoked, the entire demand in India can be catered by the producers/exporter from China PR.

Level of current and past dumping margin

79. Considering the dumping margin determined by the Authority in the previous investigation and the dumping margin now assessed, it is quite evident that the exports were continued to be made at dumped prices and is likely to continue with revocation of anti dumping duties. Volume of imports has remained significant even after imposition of anti-dumping duties. The volume of imports in the current investigation period is higher than even the original investigation period. Further, the volume of imports has increased during the post POI period. Thus, in the event of

revocation of the anti-dumping duty, it would not be difficult for the exporters of subject country to export to India the subject goods at dumped prices and snatch the entire market from the Indian producers.

80. The above examination indicates that the improvement in performance of the domestic industry is because of the anti-dumping duty imposed by the Central Government. The Authority concludes that since the base year of the present MTR investigation constitutes a major part of the POI of the original investigation, in which the injury caused by the dumped imports of subject goods from the subject country was established, the improvement demonstrated in the performance of the domestic industry after the POI of the original investigation was obviously the result of the anti-dumping duty in force. Therefore, such improvement cannot be lasting in nature, since cessation of the said duty may result in recurrence of injury to the domestic industry. Moreover, it's important to note that despite the anti-dumping duty in force, the dumping margin and injury margin are found to be positive in the POI of the present MTR investigation, thereby also signifying that the dumping and injury may intensify if the anti-dumping duty is revoked.

R. Indian industry's interest and other issues

81. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The purpose of imposing anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Further, imposition of anti-dumping duties, would not affect the availability of the product to the consumers.

S. Post Disclosure Comments

82. The following are the Post-disclosure comments made by the petitioner and other interested parties:

- i. The performance of the domestic industry has improved tremendously and has reached to a levels which is not susceptible to any likely injury in the event of revocation of the current AD duties. Thus, Authority should revoke the present AD duties on imports of DASDA from China PR.
- ii. DNL is managing DASDA price and supply to suit their OBA business.

83. The following are the Post-disclosure comments made by the domestic industry:

- i. For likelihood determination, full post-POI information should be taken by the Authority and not mere 6 months of post-POI.
- ii. The non-injurious price determined is too low and grossly inadequate to protect legitimate interests of the domestic industry.
- iii. Since the present case is an MTR, the Designated Authority may kindly consider the same form and manner of duty. The duty should be imposed in terms of US\$.

Examination by the Authority

- i. As regards the contention of the petitioner that the performance of the domestic industry has improved tremendously and therefore Authority should revoke the present AD duties, the Authority notes that the details available in the present finding are self explanatory. Although the performance of the domestic industry has improved, that is due to the anti-dumping duty. In the event of its revocation, the performance of domestic industry would be reversed.
- ii. As regards the contention of the petitioner that DNL is managing DASDA price and supply to suit their OBA business, the Authority notes that OBA is a different product and therefore does not fall within the purview of this investigation..
- iii. As regards the contention of the domestic industry that for likelihood determination, full post-POI information should be taken, the Authority notes that as a matter of practice in the DGAD, only 6 months data beyond the POI is taken for post POI analysis.
- iv. As regards the contention of the domestic industry that the non-injurious price determined by Authority is too low and grossly inadequate, the Authority notes that the same has been determined as per the law laid down under the Annexure III of the Anti-dumping Rules.

T. Conclusions

84. Having initiated and conducted the present review and having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the petitioner and other interested parties and the domestic industry and facts available before the Authority through the submissions made by the interested parties or otherwise as recorded in this finding and on the basis of the analysis of the state of current dumping, the Authority concludes that:

- i. Despite the anti-dumping duty in force, dumping continues causing injury to the domestic industry.
- ii. Despite the anti-dumping duty in force, subject country commands a significant share in the Indian market.
- iii. Much of the improvement in the performance of the domestic industry is on account of the imposition of anti-dumping duty. However, the improvement is not of lasting nature as the same is largely on account of the imposed anti-dumping duty.
- iv. Revocation of the anti-dumping duty may result in intensification of injurious dumping and decline in performance of the domestic industry.

U. Recommendation

85. Having concluded that injurious dumping has continued despite the anti-dumping duty in force, the Authority notes that dumping and injury may intensify in a situation of absence of the anti-dumping duty considering the high production capacity of China and their penchant for export oriented production and demand in India. Of course, there is no denying the fact that economic health of the domestic industry has substantially improved during the POI of the MTR. But, it is important to note that the base year for comparison in the present MTR is the most part of the POI of the original investigation and comparison of the performance of the domestic industry during the POI of the present MTR vis-à-vis the base year will definitely show positive trends. Otherwise, the imposition of the anti-dumping duty would have become completely ineffective. Thus, there is likelihood of continuation/intensification of dumping and injury on account of imports of the subject goods from the subject country, if the duty is revoked. Therefore, considering the above stated facts and analysis and the positive dumping margin and injury margin during the POI of the present MTR investigation, the Authority holds that the measure is required to be revised and extended in respect of imports of the subject goods from the subject country.

86. The Authority had earlier recommended imposition of antidumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, vide Final Findings Notification No. 14/1/2012-DGAD dated 22th November 2013, and definitive duties were imposed by the Central Government vide Notification No. 9/2014-Customs (ADD) dated 23rd January, 2014. In view of the above position, the Authority considers it necessary and recommends continuation of the anti-dumping duty imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, as specified in the table below:

Duty Table

Sl. No	Sub-Head -ing/ Tariff Item*	Description of Goods**	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount of Duty***	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	29215990	4,4 Diamino Stillbene 2, 2 Disulphonic Acid(DASDA)	China PR	China PR	Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd.	Tsaker Chemical (Dongguang) Co. Ltd.	99	MT	US\$
2	-do-	-do-	China PR	China PR	Any combination of producer/exporter (other than in Sl. No.1 above)		477	MT	US\$
3	-do-	-do-	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	477	MT	US\$
4	-do-	-do-	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	477	MT	US\$

Note: * The subject goods are also being imported under other tariff headings such as 29214290, 29222190, 29222990, 29309099, etc. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

** The Product Under Consideration i.e. 4, 4 Diamino Stilbene 2, 2 Disulphonic Acid (DASDA) is also known as follows:

- 2, 2'- (1, 2- Ethylenediyl) bis (5-aminobenzenesulfonic acid).
- 4, 4'-Diaminostilbene- 2, 2'-Disulfonic Acid.
- 2, 2'-ethene -1, 2-diylbis (5-amino benzene sulfonic acid).
- Amsonic Acid.
- DSD Acid.

*** The Anti-dumping duty shall be imposed on the quantity of subject goods calculated on 100% basis.

V. Further Procedure

87. An appeal against the order of the Central Government arising out of this Final Finding Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority